@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 26 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 171 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली की सियासत में फिर निकला 'शीश महल' का जिन्न

आप का अटैक- केजरीवाल के घर की सारी तस्वीरें फर्जी

भाजपा ने इंटरनेट से डाउनलोड किए फेक फोटो

एजेंसी

पटना। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। आप ने कहा कि भाजपा इंटरनेट से 'फर्जी' तस्वीरें डाउनलोड कर रही है। इन तस्वीरों को आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास के रूप में दिखाया जा रहा है।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि ये तस्वीरें पूरी तरह से नकली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झूठ और घोटालों पर चल रही है। कक्कड़ ने बताया कि भाजपा शनिवार सुबह से ही गलत जानकारी फैला रही है। भाजपा इन तस्वीरों को केजरीवाल के आवास के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। यह पूरी तरह से झूठ है और एक साजिश है।

संजय सिंह ने केजरीवाल के आवास की तस्वीरों को बताया फर्जी, मानहानि का केस करने की चेतावनी

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा अरविंद केजरीवाल की जारी कथित तस्वीरों को 'फर्जी और बेबुनियाद' बताया। उन्होंने कहा कि जो तस्वीरें केजरीवाल के आवास से जुड़ी बताई जा रही हैं, जो फर्जी हैं। संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा द्वारा जारी की गई सभी तस्वीरें झूठी हैं और इनका मकसद केजरीवाल की छवि खराब करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार या कोई भी टीवी चैनल यदि ऐसी तस्वीरें प्रसारित करता है तो आआपा उसके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराएगी। सिंह ने मांग की कि उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आवास भी जनता के लिए खोले जाएं, साथ ही केजरीवाल का घर भी जनता के लिए खोला जाए, ताकि लोग खुद जाकर सच्चाई देख सकें और फैसला कर सकें कि किसका आवास कितना भव्य है। सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा की झूठी खबरें फैलाने की पुरानी राजनीति चल रही है।

केजरीवाल के नए बंगले को लेकर भाजपा का तंज- पार्टी का नाम बदल कर रख देना चाहिए आलीशान आदमी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के नए बंगले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा प्रहार किया है। भाजपा ने कहा कि जिस प्रकार अरविंद केजरीवाल की जीवन शैली आलीशान है, उसे देखते हुए उनकी पार्टी का नाम बदल कर आलीशान आदमी पार्टी रख देना चाहिए। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दिल्ली के मंत्री और नई दिल्ली से विधायक प्रवेश वर्मा ने कहा कि वह अन्ना आंदोलन का सहारा लेकर, महात्मा गांधी, शहीद भगत सिंह और बाबा साहेब अंबेडकर की फोटो का सहारा लेकर आम आदमी की टोपी पहनकर, 1 रुपये के स्टाम्प पेपर पर एफिडेविट देने वाला कि वे सरकारी घर नहीं लेंगे, बंगला और गाड़ी नहीं लेंगे उन्होंने बच्चों की झूठी कसम खाई।' उन्होंने केजरीवाल के नए आवास की तस्वीरें जारी करते हुए कहा कि केजरीवाल ने पहले दिल्ली में शीशमहल बनाया, ये हम सब जानते हैं। वो शीशमहल उस समय बना, जब दिल्ली में कोविड की वेव थी। दिल्ली की जनता कोविड की दवाई मांग रही थी लेकिन उस समय भी एक भी दिन शीशमहल का काम नहीं रुका।' उन्होंने कहा कि दिल्ली की हार के बाद उनके पंजाब जाने से भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ गई क्योंकि भगवंत मान के चारो तरफ जो सरकारी बड़े घर हैं, उनमें से एक पर केजरीवाल जी ने कब्जा कर लिया, दूसरे पर दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने, तीसरे पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह और एक पर मनीष सिसोदिया ने कब्जा कर लिया।'

नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभराः पीएम मोदी

•नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और 'ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने की बधाई देते हुए और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था अलग-अलग क्षेत्रों में नवाचार और लंबे समय की रणनीति बनाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम कर रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी शुभकामनाएं। साथ ही राजीव गौबा, प्रो. के. वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई।'

उन्होंने सभी को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रभावी और परिणाम देने वाला कार्यकाल पूरा करें। प्रधानमंत्री मोदी ने लाहिड़ी से मुलाकात भी की और उन्हें उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में लाहिड़ी का अनुभव भारत में सुधारों को और मजबूत करेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि उनके प्रयास देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को और अधिक गतिशील बनाएंगे। अशोक कुमार लाहिड़ी, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालुरघाट का प्रतिनिधित्व करते हैं, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखते हैं।

वे भारत सरकार के 12वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियाई विकास बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसे संस्थानों में काम कर चुके हैं।

इसके अलावा, उन्हें विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ काम करने का भी अनुभव है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र लाहिड़ी को उनके शैक्षणिक और नीति संबंधी योगदान के लिए काफी सम्मान दिया जाता है।

बंगाल चुनाव - उत्तर 24 परगना में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सबसे अधिक तैनाती

•ये केंद्रीय बल कोलकाता पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस के कर्मियों के अतिरिक्त होंगे।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के लिए छह जिलों और राजधानी कोलकाता में फैले कुल 142 विधानसभा क्षेत्रों में 29 अप्रैल को व्यापक सुरक्षा घेरे में मतदान होगा। इस दौरान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और अन्य राज्यों की सशस्त्र पुलिस इकाइयों सहित केंद्रीय बलों की 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। केंद्रीय बलों की सबसे अधिक तैनाती उत्तर 24 परगना जिले में 507 कंपनियों के साथ होगी, इसके बाद दक्षिण 24 परगना में 409 कंपनियां तैनात होंगी। हुगली जिले में 344 कंपनियों के साथ तीसरी सबसे अधिक तैनाती होगी, इसके बाद नादिया में 285 कंपनियां

तैनात होंगी।

पूर्वी बर्दवान जिले और कोलकाता में मतदान के दिन केंद्रीय बलों की 273 कंपनियां तैनात की जाएंगी। केंद्रीय बलों की सबसे कम तैनाती कोलकाता से सटे हावड़ा जिले में होगी, जहां 257 कंपनियां तैनात होंगी।

बंगाल चुनावः रैली में राजनाथ बोले- परिवर्तन होना तय

एजेंसी

दक्षिण 24 परगना। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्वास जताया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवर्तन न केवल संभव है, बल्कि निश्चित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले चरण में लगभग 93 फीसदी मतदान से स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो रही है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि भाजपा या एनडीए सरकार ही इसकी गारंटी दे सकती है।

भाजपा का विश्वास और टीएमसी पर हमला

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2011 में 84 फीसदी मतदान पर वाम सरकार हटी थी, इस बार 93 फीसदी मतदान टीएमसी सरकार के जाने का संकेत है। उन्होंने ममता बनर्जी की टिप्पणियों को निराशाजनक बताया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर

भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। राज्य में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान हुआ था, जिसकी मतगणना 4 मई को होगी।

राहुल ने कहा- मोदी सरकार ने सीएम ममता के खिलाफ नहीं किए केस

एजेंसी

हुगली। हुगली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने उन पर कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन ममता बनर्जी पर नहीं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि ममता बनर्जी भाजपा से सीधे नहीं लड़ती हैं। गांधी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे 55 घंटे पूछताछ की, जबकि ममता बनर्जी से कोई पूछताछ नहीं हुई। राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल कांग्रेस पार्टी ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से वैचारिक आधार पर लड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल चुनाव के दौरान ममता बनर्जी पर हमला करते हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि टीएमसी कांग्रेस

कार्यकर्ताओं पर वही अत्याचार करती है जो भाजपा देश के अन्य हिस्सों में करती है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में भाजपा के लिए रास्ता खोल रही हैं।

फील्डिंग के दौरान लुंगी एनगिडी को सिर में लगी गंभीर चोट

•एंबुलेंस से ले जाए गए अस्पताल

एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें बाहर ले जाया गया। एनगिडी की चोट कितनी गंभीर है, इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल सकी है। शुरुआत में वह डॉक्टर से कुछ बात कर रहे थे। मैदान पर पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग भी पहुंचे।

सिर में लगी गंभीर चोट- दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल मुकाबले के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल को फील्डिंग के दौरान सिर में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम ने उनके गले में नेक ब्रेस लगाया और स्ट्रेचर मंगवाया। कुछ ही देर में एम्बुलेंस भी मैदान पर पहुंच गई और उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि इलाज के दौरान एनगिडी डॉक्टरों से बात करते नजर आए, जिससे उनकी स्थिति स्थिर होने का संकेत मिला। इस दौरान पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर पहुंचे।

केसीआर की बेटी के. कविता ने बनाई नई पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना'

•सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है

एजेंसी

हैदराबाद। प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान पार्षद (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी। इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था। आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने एमएलसी पद और बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

बीआरएस से अलग होने के सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है, जिसके साथ उनके पिता ने कभी तेलंगाना राज्य आंदोलन की शुरुआत की थी। इस नाम के चयन को राजनीतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक माना जा रहा है।

के. कविता ने स्पष्ट किया कि

उनकी नई पार्टी का मुख्य फोकस तेलंगाना के क्षेत्रीय मुद्दे, सामाजिक न्याय और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग होगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मूल भावना और जनता की अपेक्षाओं को फिर से केंद्र में लाना उनकी प्राथमिकता है।

महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के साथ आधी रात की मुलाकात से इनकार किया

•नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि उनके और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच उनके आधिकारिक आवास 'वर्षा' बंगले में आधी रात को गुप्त बैठक हुई थी। यह स्पष्टीकरण आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आया है। यह अटकलें तब शुरू हुईं जब सोशल मीडिया हैंडल 'प्रबुद्ध भारत' ने एक पोस्ट में दावा किया कि ठाकरे देर रात मुख्यमंत्री के आवास पर आए थे। पोस्ट में यह सुझाव दिया गया था कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 'सौदेबाजी' को रोकने के लिए निर्विरोध विधान परिषद चुनाव सुनिश्चित करना था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई बैठक नहीं हुई और इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच किसी तरह की गोपनीयता की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने

• मुख्यमंत्री ने इस खबर को फैलाने वाले चैनलों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'झूठा' बताया

कहा कि यदि उनकी और उद्धव ठाकरे की मुलाकात होती है, तो उसे गुप्त रूप से करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी और वे खुलेआम मिल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में उनके बीच ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जिसे जनता से छिपाने की आवश्यकता हो। मुख्यमंत्री ने इस खबर को फैलाने वाले चैनलों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'झूठा' बताया और कहा कि जानबूझकर गलत जानकारी फैलाने वालों को कानूनी नोटिस जारी किए जाएंगे। इससे पहले, मुख्यमंत्री फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने गोलमोल जवाब दिया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने डिप्टी कमिश्नरों को समय सीमा से पहले बाढ़ सुरक्षा कार्य पूरे करने के निर्देश दिए

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 25 अप्रैल। आगामी मानसून सीजन के मद्देनज़र मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज डिप्टी कमिश्नरों को बाढ़ सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए और किसी भी तरह की लापरवाही पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने की चेतावनी दी। एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने नालों और संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तुरंत सफाई, गाद निकालने, प्रदूषण नियंत्रण उपायों को तेज करने और लंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश से पहले सभी प्रबंध पूरे हो सकें। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, जिनके साथ राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल भी मौजूद थे, ने पूरे पंजाब में बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रेनों और नदियों की योजना सिंचाई विभाग के इंजीनियरों के साथ समन्वय करके तैयार की जानी चाहिए, ताकि नियमित रूप से डी-सिल्टिंग, सफाई और मजबूती सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने ?ोर देकर कहा कि इससे मानसून के दौरान लोगों को बाढ़ के खतरे से बचाने में मदद मिलेगी और हर अधिकारी इस कार्य के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा। उन्होंने गिद्दड़पिंडी रेलवे पुल समेत अन्य संभावित बाढ़ स्थलों की शीघ्र सफाई के निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से बचा जा सके। बुड्ढा नाले की सफाई के बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि पवित्र बुड्ढा नाले के पानी को लुधियाना शहर के शुरुआती बिंदु तक साफ कर दिया गया है और आगे का कार्य जारी है। उन्होंने डेयरियों से नाले में जाने वाले गोबर की सख्ती से जांच करने और नगर निगम द्वारा उसके उचित निस्तारण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि हेबोवाल में सीबीजी प्लांट को जल्द चालू किया जाए और ताजपुर में प्रस्तावित प्लांट के लिए 2.5 एक? भूमि आवंटन का प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर अंतिम रूप दिया जाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान में अमित शाह ने कहा- चार मई को खिलाएंगे जीत की मिठाई

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पूर्व बर्धमान जिले के जमालपुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का दावा किया। अमित शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को 110 से अधिक सीटों पर बढ़त मिलेगी और आगामी चार मई को जीत के बाद बर्धमान का प्रसिद्ध सीताभोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खिलाकर जीत का जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने जमालपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील भी की। सभा में केंद्रीय गृह मंत्री ने कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अत्याचार हुए हैं। उन्होंने आरजी कर और संदेशखाली जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के 20 राज्यों में भाजपा की सरकार है और कहीं भी महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर न निकलने जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो महिलाएं आधी रात को भी सुरक्षित बाहर निकल सकेंगी। अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर चुनाव के दौरान हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को डराया नहीं जा सकता तथा कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता इस बार सत्ता बदलने का मन बना चुकी है।

इंस्टाग्राम-टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर हो रही नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री

-खास कोडवर्ड का हो रहा इस्तेमाल, आम लोगों व एजेंसियों का समझा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल युग में जहां सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने का माध्यम है, वहीं अब यह नशे की तस्करी का नया केंद्र बनता जा रहा है। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। तस्कर सोशल मीडिया का इस्तेमाल ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खासकर इंस्टाग्राम पेज और टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए नशे को आकर्षक तरीके से पेश किया जा रहा है। कई मामलों में ड्रग्स को चॉकलेट या कैंडी जैसे रूप में दिखाकर युवाओं को लुभाया जा रहा है, जिससे पहली बार इस्तेमाल करने वालों को भी जाल में फंसाया जा सके। इस अवैध कारोबार में पहचान छिपाने के लिए खास कोडवर्ड का इस्तेमाल हो रहा है। ये कोडवर्ड्स ऐसे बनाए जाते हैं कि आम लोगों या एजेंसियों के लिए उन्हें समझ पाना आसान न हो। इससे तस्कर आसानी से निगरानी से बच निकलते हैं। भुगतान के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। पारंपरिक नकद लेनदेन की जगह अब क्रेप्टोकरंसी और ई-वॉलेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे लेन-देन का पता लगाना मुश्किल हो जाता है और तस्करी का नेटवर्क ज्यादा सुरक्षित और गुप्त बन जाता है। इस नेटवर्क का सबसे बड़ा निशाना युवा वर्ग है। सोशल मीडिया के जरिए नए और कम उम्र के लोगों तक आसानी से पहुंच बनाकर उन्हें नशे की दुनिया में धकेला जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। एनसीबी और पुलिस सोशल मीडिया आधारित नेटवर्क पर नजर बनाए हुए हैं और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए तस्करों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। 2026 के शुरुआती तीन महीनों में एनसीबी द्वारा 73 तस्करों को दोषी ठहराया जाना इस दिशा में की जा रही सख्त कार्रवाई को दर्शाता है। इसके साथ ही सरकार और एजेंसियां युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चला रही हैं, ताकि वे इस खतरे से बच सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई चुनौती से निपटने के लिए उन्नत तकनीक, बेहतर खुफिया तंत्र और सामाजिक जागरूकता तीनों की जरूरत है।

350 से ज्यादा भवनों पर नोटिस चिपका, अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

-सीलिंग विवाद के बीच कई महिलाएं 15 दिनों से धरने पर बैठीं

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ स्थित सेंट्रल मार्केट पिछले कई दिनों से चर्चा में है। बीते 9 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आवास एवं विकास परिषद ने 44 दुकानों को सील कर दिया था। इस दौरान अफरातफरी के बीच एक व्यापारी को हार्ट अटैक भी आया था। अब एक बार फिर शुक्रवार को पुलिस बल के साथ 350 से ज्यादा भवनों पर हुए अवैध निर्माण के लिए नोटिस चिपका दिया गया है। व्यापारियों को अवैध निर्माण तोड़ने के लिए 15 दिन का समय दिया। इसके बाद बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाया जाएगा और इसका खर्च दुकान मालिक से वसूला जाएगा। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सील की गईं 44 संपत्तियों के अलावा बाकी बची आवासीय संपत्तियों के सेटबैक पर किए गए अवैध निर्माण को दो महीने के अंदर हटाने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि कई व्यापारियों ने खुद से सेटबैक के अवैध निर्माण हटा दिए हैं। पिछले कई महीनों से क्षेत्र में दुकानों पर हथौड़ा चल रहा है। बता दें सेंट्रल मार्केट में सीलिंग विवाद के बीच कई व्यापारी परिवार की महिलाएं 15 दिनों से धरने पर बैठी हैं। शुक्रवार को उनसे मुलाकात करने मेरठ सांसद अरुण गोविल पहुंचे थे। उनके आश्वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है। गोविल ने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। उनके इस आश्वासन के बाद महिलाओं ने धरना खत्म करने के बजाय अस्थाई रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया।

बेटी की शादी कर लौट रहा परिवार हुआ हादसे का शिकार, पति-पत्नी, इकलौते बेटे समेत 5 की मौत

मऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात एक ऐसा हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ, जिसने एक परिवार की शादी की खुशियों को उम्र भर के मातम में बदल दिया। झारखंड के रांची से अपनी लाडली बेटी की शादी संपन्न कराकर वापस गोरखपुर लौट रहे एक ही परिवार के तीन सदस्यों और दो चालकों समेत कुल पांच लोगों की इस दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा कुसुम्हा-बशारतपुर के पास वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघते हुए सामने से आ रहे ट्रेलर से जा टकराई। मृतकों की पहचान गोरखपुर के खोराबार निवासी विनय श्रीवास्तव, उनकी पत्नी अर्चना श्रीवास्तव और उनके 27 वर्षीय इकलौते बेटे कृतार्थ के रूप में हुई है। इनके साथ ही वाहन चला रहे गया निवासी मुख्य चालक पुरुषोत्तम और सहायक चालक नितीश ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, विनय श्रीवास्तव अपनी बेटी विमन्सा की शादी के लिए 20 अप्रैल को रांची गए थे। विवाह समारोह संपन्न होने के बाद शनिवार को वे किराए की स्कार्पियो से वापस घर लौट रहे थे। आधी रात करीब 2:30 बजे जैसे ही उनकी गाड़ी दोहरीघाट क्षेत्र में पहुंची, अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और उछलकर दूसरी लेन में चली गई, जहां सामने से आ रहे भारी ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

सागर में भीषण हादसा : खदान में साथी को बचाने उतरे 3 युवक डूबे, 1 शव मिला

सागर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां पत्थर क्रशर की एक खदान के गहरे गड्ढे में नहाते समय तीन युवक डूब गए। अपने एक साथी को पानी में डूबता देख उसे बचाने के लिए दो अन्य दोस्त भी गहरे पानी में कूद गए, लेकिन तीनों ही फंसकर डूब गए। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। बहेड़िया पुलिस थाने के अनुसार, यह हादसा हाल ही में गुड़ा गांव में हुआ। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि तनिष कोरी पानी में डूबने लगा, जिसे बचाने के लिए अभिषेक उर्फ अड्डा और तेजराम पटेल कूदे। गहरे पानी में फंसने से तीनों की मौत हो गई।

बीजेपी के लिए बनाया अड्डा, आप के लिए खोद दिया गड्ढा...

चड्ढा के बीजेपी में शामिल होने पर शिवसेना यूबीटी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने पर सियासी बायनबाजी तेज हो गई है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने शायराना अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बीजेपी के लिए बना दिया नया अड्डा और आप के लिए खोद दिया गड्ढा, उनका नाम है राघव चड्ढा। बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि उन्हें विपक्ष चाहिए ही नहीं। अगर 10 में से सात राज्यसभा सांसद आप से बीजेपी में शामिल हो गए, तो उनके पास बचा क्या? उनकी पार्टी आम आदमी के लिए बनी थी, लेकिन अगर उनके सदस्य ही राज्यसभा सांसद ही खास आदमी हो गए और सभी बीजेपी में चले गए तो सवाल हमसे नहीं, बीजेपी से बनता है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में क्या चल रहा है यह तो वही बताएंगे, लेकिन जिस प्रकार के ऑपरेशन लोटस के बारे में हमने सुना था, 2022 में हमारी शिवसेना को तोड़कर कैसे दो शिवसेना बनाई गई, कैसे कई सारे सांसद और विधायक चले गए, वही आज आम आदमी पार्टी में हो रहा है और कल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में होगा। बीजेपी को विपक्ष-मुक्त भारत चाहिए। केजरीवाल अपनी पार्टी संभाल नहीं पा रहे हैं। वह जिन नीतियों को लेकर आए थे, अगर उस पर खरे उतरते तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद दुबे ने मराठी भाषा के मुद्दे पर कहा कि महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने रिक्शा और ऑटो चालकों को मराठी आने वाला जो फरमान दिया है। मेरा कहना है कि मराठी सभी को आना चाहिए। बॉलीवुड एक्टर और बड़े-बड़े उद्योगपतियों को भी आना चाहिए। हमारी मांग है कि मुंबई में अगर कोई फ्लैट खरीदता है, तो उसका रजिस्ट्रेशन उसी को दिया जाए, जिसे मराठी बोलने, लिखने और समझना आता हो। बल्कि मराठी का छोटा सी परीक्षा हो। सिर्फ रिक्शा और टैक्सी वाले ही क्यों, सभी को मराठी सीखनी चाहिए।

उन्होंने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक वोटर टर्नआउट पर कहा कि ज्यादा वोटिंग सरकार बदलने के लिए होती है, लेकिन यह भी हो सकता है कि सरकार बचाने के लिए वोटिंग हो रही हो। ज्यादा वोटिंग एसआईआर का खेल है। हालांकि पश्चिम बंगाल में कांटे की टक्कर है और 4 मई को ही साफ हो पाएगा कि जनता ने क्या रुख अपनाया है।

असम में सेंचुरी तो पश्चिम बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे : सीएम सरमा

कोलकाता (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि इस बार हम असम में सेंचुरी और बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भरोसे से कह सकता हूं कि बंगाल में पहले चरण में ही बीजेपी 110 सीटें जीत चुकी है। उन्होंने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बांग्लादेश से आने वालों के कारण अगले दो दशकों में असम और बंगाल में हिंदू अपना बहुमत का दर्जा खो देंगे। सीएम हिमंता ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ यहीं से आएंगे। इससे पश्चिम बंगाल और पूरे देश की जनसंख्या संरचना बदलेगी। पश्चिम बंगाल चुनाव में हर भारतीय की हिस्सेदारी है, क्योंकि इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा, खासकर बंगाल और असम पर। उन्होंने कहा कि जब संख्या 50फीसदी से ऊपर जाती है तो शरिया कानून की मांग भी शुरू होती है। धर्मनिरपेक्षता तब तक सुरक्षित है, जब तक जनसंख्या संतुलन बना रहता है। सीएम ममता कहती हैं कि बीजेपी सांप्रदायिकता फैला रही है, लेकिन बीजेपी देश के किसी भी राज्य में गीता या भागवत का शासन लागू करने की मांग नहीं करती। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी को पहले फेज के 152 सीटों में से 125 से 135 सीटें मिलेगी। ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। इधर चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग ने लापरवाही बरतने और निष्पक्षता नहीं रखने पर पांच पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। संस्पेड अधिकारियों में एएसपी और एसडीएपीओ भी शामिल हैं।

जोधपुर जिले में बजेंगे सायरन, होंगे हवाई हमले और होगा ब्लैकआउट!

-भारत सरकार के निर्देश पर सुरक्षा तैयारियों को जांचने होगी मार्कड्रिल

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने के उद्देश्य से अगले दो-तीन दिनों में हवाई हमले की चेतावनी और ब्लैकआउट की मॉकड्रिल की जाएगी। नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा सुरक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने के लिए इस पूर्व निर्धारित अभ्यास में सायरन बजाने और ब्लैकआउट की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अभ्यास भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा आलोक रंजन के मार्गदर्शन में किया जाएगा। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में सरकारी विभागों की तत्परता, आपसी समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमता का मूल्यांकन करना है। नागरिक सुरक्षा विभाग ने इसे संस्थागत रूप देने के लिए पूरी योजना तैयार की है। इस मॉकड्रिल में जिला प्रशासन के साथ नागरिक सुरक्षा, पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और होमगार्ड्स की सक्रिय भागीदारी रहेगी। इनके अलावा एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस, नेहरू युवा केन्द्र, चिकित्सा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग और जोधपुर डिस्कॉम सहित अन्य संबंधित विभागों के बीच कॉर्डिनेशन की टेस्टिंग की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि मॉकड्रिल में एयर रेड सायरन बजने या ब्लैकआउट की स्थिति होने पर घबराए नहीं। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर इस अभ्यास को सफल बनाने में सहयोग करें।

कांग्रेस बोली- पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी: हाईकोर्ट ने की पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत खारिज, कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में देगी चुनौती

-रमेश ने कहा-धमकी, डराने व उत्पीड़न की राजनीति के खिलाफ न्याय की ही जीत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा की गुवाहाटी हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पवन खेड़ा का मजबूती से समर्थन किया। उन्होंने लिखा- पूरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को पूरा भरोसा है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति के खिलाफ अंततः न्याय की ही जीत होगी।

यह विवाद पवन खेड़ा द्वारा की गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुरू हुआ। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनकी अघोषित संपत्तियां हैं। इन गंभीर आरोपों के बाद सीएम की पत्नी रिनीकी भुइयां ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पवन खेड़ा ने सोमवार को गुवाहाटी हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था, जिसे शुक्रवार को जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कई अहम बातें कहीं। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इसे केवल मानहानि का साधारण मामला नहीं माना जा सकता, जिसमें दुर्भावना या साजिश न हो। कोर्ट के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह मामला फर्जी दस्तावेजों या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने से संबंधित है।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता पुलिस जांच से बच रहे हैं। इस मामले में पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरुरी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके सहयोगी कौन हैं, उनके लिए ये दस्तावेज किसने जुटाए और ये दस्तावेज कहां से और कैसे हासिल किए गए। इस मामले में पवन खेड़ा ने कई अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। हैदराबाद के निवासी होने के कारण, मामला दर्ज होने के बाद पवन खेड़ा ने सबसे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था। वहां से उन्हें सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। इसके बाद असम पुलिस ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर अंतरिम रोक लगा दी और पवन खेड़ा को संबंधित राज्य यानी असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया था। अब गुवाहाटी हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद कांग्रेस ने वापस सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर ली है।

न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। कोर्ट ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि महाधिवक्ता का यह दावा कि याचिकाकर्ता का मामला जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने की श्रेणी में आता है, प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि रिंकी भुइयां असम के मुख्यमंत्री की पत्नी हैं, लेकिन स्वयं मुख्यमंत्री नहीं हैं। आदेश में कहा गया है, यदि खेड़ा ने ये आरोप मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए होते, तो यह मामला राजनीतिक बयानबाजी माना जा सकता था, लेकिन राजनीतिक लाभ लेने के लिए उन्होंने एक निर्दोष महिला को विवाद में घसीट लिया।

जम्मू कश्मीर से स्थानीय आतंकियों का सफाया, पर बाहरी अभी भी मौजूद, भर्ती में गिरावट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के विरुद्ध सुरक्षा बलों की रणनीति अब एक निर्णायक और रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गई है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों ने बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए अपने ऑपरेशंस का मुख्य केंद्र शहरी बस्तियों से हटाकर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित कर दिया है। सुरक्षा बलों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में आई भारी गिरावट है। आधिकारिक आंकड़ों और सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में घाटी में स्थानीय आतंकी न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं से इक्का-दुक्का भर्ती की सूचना मिलती भी है, तो सुरक्षा बल तुरंत सक्रिय होकर उसे विफल कर देते हैं।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय समर्थन और भर्ती में कमी आना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि घाटी में आतंकवाद के प्रति सामाजिक नजरिया बदला है। हालांकि, विदेशी आतंकियों की चुनौती अब भी बनी हुई है, जिनकी संख्या लगभग 65 के आसपास आंकी गई है। सुरक्षा एजेंसियां केवल आतंकियों को ही नहीं, बल्कि उनके पीछे काम करने वाले सपोर्ट सिस्टम और कट्टरपंथ फैलाने वाले तत्वों पर भी कड़ी नजर रख रही हैं। हालिया घटनाओं के बाद से अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है ताकि नए युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें गलत रास्ते पर न धकेला जा सके। आतंकी संगठनों द्वारा अपनी रणनीति बदलते हुए घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों को सुरक्षित ठिकाना बनाने की कोशिशों के जवाब में सुरक्षा बलों ने जंगल वॉरफेयर पर ध्यान केंद्रित किया है। अब सात हजार फीट तक की ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में नए ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए हैं। विशेष रूप से जम्मू के चिनाब वैली जैसे क्षेत्रों में, जहाँ हाल के दिनों में हलचल बढ़ी थी, सुरक्षा बलों की मौजूदगी और सर्च ऑपरेशन को और अधिक सघन बनाया गया है। इस नई मुहिम को प्रभावी बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का पुनर्गठन किया गया है। इसमें ऊर्जावान युवा अधिकारियों को शामिल किया गया है जिन्हें जंगल युद्ध और काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशंस के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन टीमों को आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध ग्रे हाउंड्स यूनिट और सेना की पैरा स्पेशल फोर्सेज के साथ समन्वय कर प्रशिक्षित किया गया है। तकनीक, युवा नेतृत्व और दुर्गम क्षेत्रों में मजबूत पकड़ की यह त्रिआयामी रणनीति जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

गर्मी के बीच मूसलाधार बारिश की आहट, 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान, 7 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकांश हिस्से इन दिनों सूरज की तपिश और भीषण गर्मी की चपेट में हैं। कई राज्यों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक ओर राहत भरी खबर दी है, तो दूसरी ओर कुछ राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का अनुमान है कि देश के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ होने वाली बारिश तापमान में गिरावट लाएगी, जिससे तपती गर्मी से जूझ रहे लोगों को सुकून मिल सकता है।

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में वर्तमान में स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। बीते 24 अप्रैल को उत्तर प्रदेश का प्रयागराज 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भीषण लू चलने का अलर्ट जारी किया है। विशेषकर उत्तर प्रदेश में 27 अप्रैल तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोत्तरी होने की आशंका जताई गई है, जिससे दोपहर के समय बाहर निकलना जोखिम भरा हो सकता है। मैदानी इलाकों में जहां गर्मी का सितम है, वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 27 से 30 अप्रैल के दौरान भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। असम और मेघालय में 26 और 27 अप्रैल को 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भीषण तूफान की भी आशंका है। इस भारी बारिश की वजह से पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ गया है।इसके अतिरिक्त, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में भी मौसम के मिजाज में बदलाव दिखेगा। झारखंड में 26 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना है। वहीं दक्षिण भारत के केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मौसम उमस भरा बना रहेगा। मौसम विभाग ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और लू प्रभावित इलाकों में दोपहर के वक्त घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही, किसानों को ओलावृष्टि से पहले फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया है।

जापान ने 75 साल पुरानी परंपरा तोड़ी, दुनिया के लिए खोला अपने हथियारों का बाजार

इस फैसले से भारत को होगा फायदा, चीन आक्रमता पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान ने अपनी दशकों पुरानी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव कर अन्य देशों को घातक हथियारों के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह निर्णय जापान के युद्धोत्तर संवैधानिक ढांचे से महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, जिसे ढांचे ने लंबे समय तक केवल आत्मरक्षा तक सीमित रखा था। इस कदम के पीछे बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य की बड़ी भूमिका है, विशेष रूप से चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता और उत्तर कोरिया की उकसाने वाली गतिविधियां प्रमुख है। बदलते घटनाक्रम में जापान को अहसास होने लगा कि अब अमेरिका के भरोसे रहना ठीक नहीं है। इस लिए जापान ने अपनी 75 साल पुरानी रणनीति में व्यापक बदलाव किए है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान ने 1947 में नया संविधान अपनाया था, जिसमें अनुच्छेद 9 के तहत युद्ध करने के अधिकार का त्याग किया गया। यह संविधान अमेरिका के प्रभाव में तैयार हुआ था। युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासिकी पर परमाणु हमलों और व्यापक विनाश के बाद जापान ने शांतिवाद को अपनी राष्ट्रीय नीति बना लिया था। 1951 की सुरक्षा संधि के तहत उसकी सुरक्षा काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर रही, और 1954 में गठित आत्मरक्षा बलों की भूमिका भी सीमित रखी गई।

हालांकि, समय के साथ बदलते परिदृश्य को देखते हुए जापान ने अपनी नीतियों में धीरे-धीरे बदलाव करना शुरू किया। 2009 में सामूहिक आत्मरक्षा के अधिकार की नई व्याख्या की गई, जिससे वह अपने सहयोगियों की रक्षा में भाग ले सकता है। 2015 में विदेशी सैन्य अभ्यासों में भागीदारी को आसान किया गया और 2022 में लंबी दूरी की मिसाइलों के अधिग्रहण के जरिए प्रति आक्रमण क्षमता विकसित करने की दिशा में कदम उठाया गया।

इतना ही नहीं जापान ने रक्षा बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2024 में जापान ने जीडीपी के 1 प्रतिशत की सीमा समाप्त की और 2027 तक 2 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा। 2026 तक उसका रक्षा बजट लगभग 52 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो बीते वर्षों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह वृद्धि उसकी नई रणनीतिक प्राथमिकताओं को दिखाती है।

बात दें कि जापान के पास अत्याधुनिक सैन्य तकनीक है, जिसमें उन्नत पनडुब्बियां, युद्धपोत, वायु रक्षा प्रणाली और निगरानी उपकरण शामिल हैं। अब हथियार निर्यात की अनुमति मिलने से वह वैश्विक रक्षा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। इस बदलाव से न केवल उसकी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी रणनीतिक भूमिका भी बढ़ेगी। इस बदलाव का असर जापान के पुराने मित्र भारत जैसे देशों पर भी पड़ेगा। भारत और जापान पहले से ही क्वाड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करता है। भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है, जिसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग और सह-उत्पादन शामिल हैं।

भारत के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों ने रक्षा उत्पादन में नई संभावनाएं पैदा की हैं। इसके बाद जापानी कंपनियां भारत में निवेश कर उत्पादन कर सकती हैं और वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकती हैं। इससे दोनों देशों को आर्थिक और सामरिक लाभ मिल सकता है। सामरिक दृष्टि से यह निर्णय एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। इससे चीन के प्रभाव को चुनौती मिल सकती है और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। साथ ही, जापान और अमेरिका के संबंध और मजबूत हो सकते है। जापान का यह कदम केवल नीति परिवर्तन नहीं, बल्कि एक बड़े रणनीतिक बदलाव का संकेत है। इसके प्रभाव आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक साझेदारियों में स्पष्ट रूप से देखने को मिलने वाले है।

जाम मुक्त होगा दिल्ली का सबसे व्यस्त चौराहा

नई दिल्ली, 14 जून। आईटीओ चौराहे पर हर दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग ने इस व्यस्त चौराहे पर फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह परियोजना रिंग रोड और विकास मार्ग को जोड़ने वाले ट्रांजिट कॉरिडोर को बेहतर बनाने का हिस्सा है, जिससे दिल्लीवासियों का सफर आसान और तेज होगा। इस परियोजना की विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) तैयार करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने करीब दो करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इसमें एक सलाहकार एजेंसी के जरिए ट्रैफिक और तकनीकी पहलुओं का अध्ययन (पीसिबिलिटी स्टडी) होना है। ये सलाहकार एजेंसी करीब सात महीने में डीपीआर तैयार करेगी। इसमें ट्रैफिक अध्ययन, परियोजना पर होने वाला खर्च और पर्यावरणीय मंजूरी, पेड़ों की कटाई के लिए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) की मंजूरी, यूटीपेक और डीयूएससी से डिजाइन मंजूरी शामिल होगी। दो जुलाई तक सलाहकार एजेंसी तय की जानी है। पीब्ल्यूडी के मुकाबिक इस परियोजना में सिर्फ फ्लाईओवर

और अंडरपास ही नहीं, बल्कि पूरे कॉरिडोर और उसके आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी को भी सुधारा जाएगा। आईटीओ और इसके आस पास के सभी चौराहों, मध्य-खंडों का विस्तृत थ्री-डी डिजाइन तैयार किया जाएगा। इसके शुरुआती सर्वे में पाया गया है कि रिंग रोड से विकास मार्ग की ओर फ्लाईओवर बनाना संभव है, लेकिन बहादुर शाह जफर मार्ग पर रेलवे लाइन और मेट्रो के कारण फ्लाईओवर या अंडरपास बनाना मुश्किल है। सलाहकार एजेंसी को ट्रैफिक सर्वे, जियो-टेक्निकल जांच और थ्री-डी डिजाइन बनाकर इसका हल निकालना होगा। आईटीओ चौराहा दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक हब है, जहां रिंग रोड, विकास मार्ग और बहादुर शाह जफर मार्ग मिलते हैं। यहां भारी ट्रैफिक और पैदल यात्रियों की भीड़ के कारण अक्सर जाम लगता है। सरकारी दफ्तरों, जैसे आयकर भवन और आईसीएआई के साथ आईटीओ मेट्रो स्टेशन, बस स्टॉप इस इलाके को और व्यस्त बनाते हैं। इस कारण कई बार विकास मार्ग और अक्षरधाम तक घंटों जाम लगता है। पीडब्ल्यूडी का लक्ष्य है कि यहां एक फ्लाईओवर बनाकर ट्रैफिक को सुचारू किया जाए।

शादी टूटने से खफा दूल्हे ने रेता दुल्हन का गला

लोटन, 14 जून। यूपी के सिद्धार्थनगर स्थित लोटन कोतवाली क्षेत्र के तरघौना गांव में गुरुवार को घर में सो रही किशोरी के गले को एक सिरफिरे ने रेत दिया और लहूलुहान हाल में छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हमला करने के पीछे शादी को टूटना बताया जा रहा है। लड़की और आरोपी की शादी तय थी, जो किन्हीं कारणों से टूट गई। इससे नाराज होकर उसने ऐसा कदम उठाया है। वहीं, पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज करके आरोपी के तलाश में जुटी हुई है। परिजनों ने लोटन कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि प्रियंका की शादी महराजगंज जिले के थाना कोल्हुई अन्तर्गत ग्राम बेलवा बकहनिहां में पसंद कुमार पुत्र जयकिशन के साथ तय था। बाद में किसी कारण वश टूट गया। जिससे क्षुब्ध होकर सिरफिरे युवक पसंद ने हथियार लेकर गुरुवार आधी रात को तरघौना पहुंचकर घर के बाहर सो रही प्रियंका का गला रेत दिया। जिससे लहूलुहान हो गई। छटपटाने पर परिजनों की आंख खुल गई और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वो भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की को अपने अभिरक्षा में लेकर सीएचसी लोटन ले गई। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज भेज दिया। लेकिन लड़की की लगातार हालत बिगड़ता देख वहां से भी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेज दिया गया। जहां उसकी लड़की की हालत गम्भीर बनी हुई है। वहीं, मिले शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धारा में केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है। इस संबंध में एसओ लोटन डीके सरोज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

देवरिया में स्कूल संचालक का कत्ल, 100 मीटर दूर मिली कुल्हाड़ी

देवरिया। देवरिया जिले के रुद्रपुर इलाके के फतेहपुर गांव के रामनगर टोले में शुक्रवार की रात विद्यालय संचालक धनंजय पाल की गला काटकर हत्या कर दी गई। विद्यालय के बरामदे में सो रहे संचालक के सिर और गले पर कई वार किए गए थे। वारदात स्थल से करीब सौ मीटर की दूरी पर खून से सनी कुल्हाड़ी मिली है। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस विद्यालय के चौकीदार और बगल में रहने वाले दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी विकांत वीर ने शनिवार को वारदात स्थल का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी धनंजय पाल (55) गांव में अपनी जमीन पर निजी विद्यालय खोल रखा था। बेटे संजीव कुमार पाल को विद्यालय का प्रबंधक बनाया है। एक माह पहले विद्यालय को बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता मिली है। वह रोजाना रात में विद्यालय में सोने चले जाते थे। परिवार वालों के अनुसार, शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद वह सोने चले गए। धनंजय स्कूल के बरामदे में लगी चौकी पर सो रहे थे, जबकि चौकीदार रामप्रसाद निषाद छत पर सो रहा था। शनिवार की सुबह करीब पांच बजे पड़ोस के लोगों ने बरामदे में तख्त पर उनकी लाश देखी। उनके गले और चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे। चेहरा और गले पर कुल्हाड़ी के वार से कट गया था। छत पर सो रहे चौकीदार को भी वारदात की जानकारी नहीं हुई। वारदात की सूचना पर सीओ हरिराम यादव ने पहुंच कर जांच शुरू की। वारदात स्थल पर क्षेत्रीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस वारदात के कारण पता लगाने में जुटी है।

पहेली बनी दिगंबर-विमलेश की मौत, पिता के बयान से उलझा केस

कौमी पत्रिका

डिबाई। यूपी के बुलंदशहर स्थित डिबाई थाना क्षेत्र के गांव तुलसीगढ़ी निवासी दिगंबर (32) का शव सोमवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। जबकि, उनकी पत्नी विमलेश बेड पर मृत अवस्था में मिली। सुबह जब समय से कमरे से बाहर न आने पर पांच वर्षीय पुत्र ने जाकर देखा तो परिजनों को मामले की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। प्रारंभिक जांच में सामने आ रहा है कि महिला की मौत जहर खाने से हुई है। जिसके बाद पति ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हालांकि, अधिकारी पूरी जांच होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रहे हैं। दौलतपुर चौकी क्षेत्र के गांव तुलसीगढ़ी निवासी रमाशंकर खेतीबाड़ी कर अपना व परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका बड़ा पुत्र यतेंद्र परिवार सहित गांव में रहता है और छोटा बेटा दिगंबर नोएडा में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। उन्होंने बताया कि करीब 11 वर्ष पूर्व उनके छोटे पुत्र दिगंबर का विवाह गांव अक्षीपुरा निवासी विमलेश के साथ हुआ था। आए दिन दोनों में मामूली बातों को लेकर कहासुनी भी हो जाती थी। जैसा अमूमन हर पति और पत्नी के बीच होता है। पिता ने आगे बताया कि काफी समय से वह दोनों मकान की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में अलग रहते थे। परिजनों व ग्रामीणों का कहना है कि रविवार रात करीब आठ बजे वह दोनों खेत से मक्का की फसल निकलवाकर लौटे थे। इसके बाद वह दोनों सोने के लिए अपने कमरे में चले गए थे। उनकी छह वर्षीय पुत्री अपनी ननिहाल गई हुई थी, जबकि पांच वर्षीय पुत्र मकान के निचले हिस्से में अपने ताऊ के पास सो रहा था। सोमवार सुबह दोनों के न जागने पर बेटा पुनीत ऊपर कमरे में पहुंचा और बेड पर लेटी मां को उठाने का प्रयास किया। लेकिन, उसके न उठने पर पुनीत ने नीचे आकर दादी व अन्य परिजनों को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद परिजन ऊपर पहुंचे तो वहां विलमेश का शव बेड पर पड़ा हुआ था, साथ ही दूसरी तरफ फंदे पर दिगंबर का शव लटका हुआ था। जानकारी पर लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। शव उतार कर फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों ने बताया कि दिगंबर गत शनिवार को ही नोएडा से छुट्टी के चलते वापस आए थे। सोमवार को उन्हें वापस नोएडा जाना था। लेकिन, उससे पहले ही यह मामला घटित हो गया। दंपती की मौत के बाद से उनके बच्चों व अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर कमरे का बारीकि से निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्हें वहां से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि, कुछ लोगों से पूछताछ के बाद यह तो लग रहा है कि दोनों ने आत्महत्या की है। लेकिन, एक सवाल अभी भी पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है कि पहले विमलेश या दिगंबर में से किसकी जान गई। कहीं, दिगंबर ने विमलेश को जहर देकर हत्या कर खुद आत्महत्या तो नहीं की। या फिर विमलेश के आत्महत्या करने के बाद दिगंबर ने खुद आत्महत्या कर ली। ये कुछ सवाल जांच के बाद ही जवाब तक पहुंच सकेंगे। दिगंबर का शव कुंदे से फंदे पर लटका मिला, जबकि विमलेश का शव संदिग्ध अवस्था में बेड पर मिला है। दोनों की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पीड़ित परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

मिट्टी के बैक्टीरिया में बढ़ रहा एंटीबायोटिक प्रतिरोध, मानव स्वास्थ्य के लिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया में तेजी से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जीन (एआरजी) का स्तर बढ़ रहा है। इन जीन के कारण बैक्टीरिया उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधक हो जाते हैं जो इन्हें नष्ट करने के लिए उपयोग की जाती हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन का खतरनाक और अब तक सबसे उपेक्षित पहलू भी है। नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन एनवायर्नमेंटल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित डरहम विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन अब न केवल वातावरण बदल रहा है बल्कि मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों की संरचना भी बदल रहा है। ऐसे जीवाणु अब एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। बढ़ते तापमान के साथ बैक्टीरिया अधिक सक्रिय, अनुकूलनशील और कठिन प्रतिरोधी बनते जाते हैं। वे उन जीन को सक्रिय करने लगते हैं जो उन्हें एंटीबायोटिक दवाओं से लड़ने में सक्षम बनाते हैं। यह एक घातक जैविक प्रक्रिया है जो मानव स्वास्थ्य प्रणाली के लिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह बेहद खतरनाक संकेत है क्योंकि मिट्टी बैक्टीरिया का एक विशाल भंडार है और यही बैक्टीरिया धीरे-धीरे मानवों व जानवरों में संक्रमण फैलाने वाले रोगजनक जीवों तक पहुंच सकते हैं। शोधकर्ता मशीन लर्निंग से अनुमान लगाया कि अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन ऐसे ही जारी रहा तो 2100 तक मिट्टी में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया 23त्न तक बढ़ सकते हैं। यह परिवर्तन केवल तापमान, बारिश या सूखे का विषय नहीं रह गया है, यह अब उस दिशा में भी असर डाल रहा है कि बीमारियां कैसे उत्पन्न होंगी, बदलेंगी और फैलेंगी। मिट्टी के बैक्टीरिया में बढ़ रहा एंटीबायोटिक प्रतिरोध एक खामोश संक्रमण क्रांति है।?जो संक्रमण पहले कुछ दवाओं से ठीक हो जाया करते थे, वे अब असहाय बना सकते हैं और यह खतरा न केवल गरीब देशों का है बल्कि पूरी दुनिया के लिए साझा संकट है। दुनियाभर के शहरों में अगर पैदल अनुमान लगाया कि अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन ऐसे ही जारी रहा तो 2100 तक मिट्टी में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया 23त्न तक बढ़ सकते हैं। यह परिवर्तन केवल तापमान, बारिश या सूखे का विषय नहीं रह गया है, यह अब उस दिशा में भी असर डाल रहा है कि बीमारियां कैसे उत्पन्न होंगी, बदलेंगी और फैलेंगी। मिट्टी के बैक्टीरिया में बढ़ रहा एंटीबायोटिक प्रतिरोध एक खामोशऔर साइकिल यात्रा को बढ़ावा देने वाली नीतियों और ढांचागत विकास पर ध्यान दिया जाए तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 6त्न तक की कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र को हर साल लगभग 43,500 करोड़ डॉलर का आर्थिक लाभ भी मिलेगा। यह बात यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजेलिस (यूसीएलए) और गूगल के संयुक्त वैश्विक अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ता कहते हैं कि पैदल और साइकिल यात्रा एक बहुआयामी समाधान है। यह न केवल जलवायु संकट से लड़ने में मदद करता है, बल्कि स्वास्थ्य, आर्थिक बचत और नागरिक जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। शहरों को चाहिए कि वे अपनी भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक जरूरतों के अनुसार ऐसी योजनाएं बनाएं जो लोगों को सुरक्षित, सुलभ और स्वस्थ यात्रा के विकल्प प्रदान करें।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर हादसा, अचानक दरका पहाड़

बड़कोट(उत्तरकाशी)। मानसून शुरू होते ही पहाड़ में भूस्खलन की घटनाएं सामने आने लगी हैं। सोमवार दोपहर जानकीचट्टी यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची के पास पहाड़ दरक गया। इस दौरान कई यात्री मलबे में दबे हैं। जानकीचट्टी चौकी प्रभारी गंभीर सिंह तोमर ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ मौके पर है। फिलहाल सुरक्षा के लिहाज से यात्रा मार्ग पर आवाजाही रोक दी गई है। जानकारी के अनुसार, टीम ने मुंबई निवासी एक यात्री रसिक(60) को अस्पताल पहुंचाया है। डाक्टर हरदेव सिंह पंवार के अनुसार यात्री के सर पर चोटें हैं। लेकिन खतरे से बाहर है। वहीं, एक बच्ची का शव मिला है। टीम अन्य दबे हुए लोगों को मलबा से निकालने में जुटी है। एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी ने बताया कि यमुनोत्री धाम की ओर फंसे सैकड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा रहा है। वहीं, यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रास्ते में फंसे यात्रियों को भूस्खलन वाले क्षेत्र से बाहर निकाला। मौसम विज्ञान विभाग ने 22 से 26 जून तक राज्य के देहरादून, नैनीताल, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर यूएसडीएमए के अधीन राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसओईसी) ने संबंधित जिलों के डीएम को पत्र भेजकर सावधानी बरतने को कहा है। इसमें आपदा प्रबंधन आईआरएस के नामित अधिकारी व विभागीय नोडल अधिकारी अलर्ट पर रहेंगे। गंगोत्री हाईवे पर सुक्की के पास सात नालों पर वर्षों से बॉर्डर रोड ऑर्गेनाईजेशन की ओर से सुधारीकरण और सुरक्षात्मक उपाय नहीं किए गए हैं। इस कारण यह नाले हर बरसात में सड़क पर आवाजाही में मुसीबत बनते हैं। इस संबंध में कई बार स्थानीय प्रशासन और बीआरओ से कई बार वहां पर सुरक्षात्मक कार्यों की मांग कर चुके हैं। स्थानीय निवासी संजय राणा, मनोज नेगी, भागवत पंवार, दीपक राणा, अजय नेगी आदि का कहना है कि हर्षिल घाटी सहित गंगोत्री और भारत-चीन अंतराष्ट्रीय सीमा को जोड़ने का गंगोत्री हाईवे एक मात्र साधन है। इसमें हर्षिल घाटी शुरू होने से पहले ही हाईवे पर सात नाले हर वर्ष बरसात में मुसीबत बनते हैं। इस कारण चारधाम यात्रा के यात्रियों सहित आठ गांव के ग्रामीणों और सेना व आईटीबीपी के जवानों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्योंकि कई बार बरसात में इन नालों में जलस्तर बढ़ने और मलबा आने के कारण यह कई दिनों तक सड़क बंद रहती है। क्योंकि सड़क पर सात स्थानों पर एक साथ मलबा आने के कारण मशीनरी को इसे साफ करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर कई बार बारिश होने पर इन नालों में जलस्तर बढ़ने के कारण दोपहिया और छोटे वाहनों के बहने का खतरा भी बना रहता है। इसलिए स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और बीआरओ से इन सात नालों में सुरक्षात्मक कार्य करने की मांग की है।

तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक को दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। मृतकों की शिनाख्त विजय (38), रमाकांत (30), नंदू कुमार (23) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान राजाराम (19) के रूप में हुई है। सभी बवाना औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरी नंबर 110 में काम करते थे और वहीं रहते थे। घटना के बाद आरोपी चालक टेंपो को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस टेंपो को जब्त कर चालक की पहचान करने में जुटी है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि मृतक और घायल एक ही बाइक पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे, तभी टेंपो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने डिप्टी कमिश्नरों को समय सीमा से पहले बाढ़ सुरक्षा कार्य पूरे करने के निर्देश दिए

प्रथम पृष्ठ का शेष

औद्योगिक गंदे पानी के उचित उपचार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। पानी के प्रवाह और प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टी वेईं में 200 क्योसिक पानी छोड़ने के लिए सिम्बली में रेगुलेटर चालू किया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर पुलों में तकनीकी सुधार और काला संघियां ड्रेन में प्रदूषण कम करने के लिए बिस्त दोआब नहर से 100 क्योसिक पानी छोड़े जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि स्टोन लायनिंग का कार्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने डेयरी अपशिष्ट को नालों में डालने पर सख्ती से रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इस संबंध में जिम्मेदारी तय की जाएगी। सतलुज नदी पर धुसी बांध सड़क परियोजना का मामला केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री के समक्ष उठाया जाएगा, जिसे 117.75 करो? की लागत के साथ नाबार्ड के सहयोग से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि लुधियाना के बुड्ढा नाला, काला संघियां ड्रेन और सतलुज के धुसी बांध की सफाई को लेकर संत बलबीर सिंह सीचेवाल की हा?री में जालंधर और लुधियाना के उपायुक्तों के साथ विशेष बैठक की गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सतलुज और अन्य मौसमी नदियों के कमजोर बांधों को मजबूत करने तथा बुड्ढा नाले के लिए एसटीपी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण सुधार दिखाई देंगे और सरकार जनता के साथ मजबूती से खड़ी है।

देशभर के आम उत्पादक किस्म के आमों की लगाएंगे प्रदर्शनी

चंडीगढ। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि पिंजौर के प्रसिद्ध मुगलकालीन यादवेन्द्र गार्डन में पर्यटन विभाग व बागवानी विभाग द्वारा 4 जुलाई से 6 जुलाई तक 32वें मैंगो मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी करेंगे। देशभर के आम उत्पादकों द्वारा सैंक ?ों व विविधता से भरपूर किस्मों का प्रदर्शन मैंगो मेले में किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को मैंगो मेले के शानदार आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने आज कैंप कार्यालय में हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. शालीन व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों का जायजा लिया व उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा पर्यटन विकास निगम व बागवानी विभाग वर्ष 1992 से यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में मैंगो मेले का आयोजन कर रहा है। मैंगो मेले के 32वें संस्करण का आयोजन इस बार 4 जुलाई से किया जाएगा, जो 6 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि देशभर से आम उत्पादक किसान सैंक ?ों किस्म के आम लेकर आएंगे और उनकी प्रदर्शनी भी लगाएंगे। पर्यटन विभाग और बागवानी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम की शुरूआत देशभर में उगाए जाने वाले आमों की विविधतापूर्ण और समृद्ध किस्मों का जश्न मनाने और किसानों को अपनी उपज दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई थी। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बीते सालों में आम मेला एक क्षेत्रीय उत्सव से ब ?कर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयोजन में बदल चुका है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिले में कुल छह परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां लगभग तीन हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से रहते पूरी कर ली जाएं ताकि किसी भी परीक्षार्थी को कोई असुविधा न हो। डीसी जींद में आगामी तीन मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर जिला प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों को परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि स्थानीय डिफेंस कॉलोनी स्थित गर्ल्स मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 312 परीक्षार्थी, भारत सिनेमा के पास स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 387 परीक्षार्थी, राजकीय कॉलेज में 600 परीक्षार्थी, पीआईजी कॉलेज फॉर वूमेन में 528 परीक्षार्थी तथा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद ब्लॉक में 576 और सीवी रमन ब्लॉक में 528 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी प्रकार उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए सख्त इंतजाम किए जाएं।

भारत महिला सशक्तिकरण से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर अग्रसर : राज्यपाल घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि नारी शक्ति की अपार क्षमता को पहचानते हुए भारत अब धीरे-धीरे महिला सशक्तिकरण से आगे बढ़कर महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जो महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और उद्यमशीलता की बढ़ती भावना का प्रमाण है। राज्यपाल आज चंडीगढ़ स्थित मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन (एमसीएम डीएवी कॉलेज) के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला, मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। छात्रों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

होगी । उन्होंने कहा कि नवाचार को प्रोत्साहित करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता को सशक्त करने में युवा स्नातकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एमसीएम डीएवी कॉलेज की छात्राएं महिला-नेतृत्व वाले विकास पर आधारित एक समृद्ध और प्रगतिशील भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी तथा अपने परिवार, संस्थान और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी।

स्नातक होने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए उनके निर्णय, परिश्रम और दृढ़ संकल्प ही उनके भविष्य को दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा असीम अवसरों के द्वार खोलती है–चाहे वह उच्च शिक्षा हो या पेशेवर जीवन–और सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि निरंतर आत्म-विकास में निहित है।

राज्यपाल ने कॉलेज प्रबंधन को भी बधाई देते हुए कहा कि पिछले छह दशकों में इस संस्थान ने अनेक प्रतिभाशाली छात्राओं को तैयार किया है, जिन्होंने देश-विदेश में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कॉलेज की उस प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसके तहत संस्थान समग्र, मूल्यपरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है–ऐसी शिक्षा जो छात्राओं को बौद्धिक रूप से सक्षम, नैतिक रूप से सुदृढ़, सामाजिक रूप से उत्तरदायी और आध्यात्मिक रूप से जागरूक नागरिक बनाती है।

हरियाणा में 65 हजार 300 विद्यार्थी देंगे नीट की परीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री सैनी ने ने निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही, 26 अप्रैल को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एचसीएस एवं संबद्ध सेवाओं की परीक्षा के लिए भी पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। प्रदेशभर में नीट (यूजी) परीक्षा के लिए 175 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 65,300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के निकट अभिभावकों के ठहरने और पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो। यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को समय पर केंद्र तक पहुंचने में बाधा न आए। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी तथा जिला स्तर पर भी कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति परीक्षार्थियों को भ्रमित न कर सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी, बिजली, शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से कार्य करते रहें तथा यातायात प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जाए।

चालीस से 99 प्रतिशत दिव्यांगों को हरियाणा रोडवेज में मुफ्त यात्रा सुविधा

चंडीगढ1। हरियाणा सरकार ने दिव्यांगजनों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 40 प्रतिशत से 99 प्रतिशत तक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को हरियाणा रोडवेज की साधारण बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से प्रदेश के लगभग 1.22 लाख दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। इस संबंध में वित्त विभाग से परामर्श के उपरांत राज्य परिवहन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य परिवहन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन प्रदेश में लगभग 40 श्रेणियों के यात्रियों को मुफ्त एवं रियायती यात्रा सुविधाएं प्रदान कर रहा है। वर्ष 2007 में 100 प्रतिशत दिव्यांगजनों को एक सहायक सहित मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान की गई थी, जिसे वर्ष 2010 में चंडीगढ़ और दिल्ली तक विस्तारित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के दिव्यांगजनों द्वारा लंबे समय से यह मांग की जा रही थी कि 100 प्रतिशत से कम दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को भी यह सुविधा दी जाए। इस मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन अपने 24 डिपो और 13 उप-डिपो के माध्यम से लगभग 4108 बसों का संचालन करता है, जो प्रतिदिन करीब 11.38 लाख किलोमीटर की दूरी तय करते हुए लगभग 6.03 लाख यात्रियों को यात्रा सुविधा प्रदान करती हैं।

खेड़ा गांव की बेटी विशेष यादव बनीं लेफ्टिनेंट, क्षेत्र में खुशी की लहर

एजेंसी

नारनौल। जिले के गांव खेड़ा की बेटी विशेष यादव ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के इलाके में गर्व और खुशी का माहौल है। विशेष यादव को मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के तहत कोलकाता स्थित ईस्टर्न कमांड में कमीशन प्रदान किया गया है। 23 अप्रैल (गुरूवार) को उनकी कमिश्निंग पूरी हुई, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इस उपलब्धि को उत्साह के साथ मनाया। विशेष यादव ने 18 दिसंबर 2021 को सेना में जॉइनिंग की थी। इसके बाद उन्होंने चार वर्षों का कठोर, अनुशासित और समर्पित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। उनकी इस सफलता को उनकी मेहनत, दृढ़ संकल्प और देशसेवा के जज्बे का परिणाम माना जा रहा है। बचपन से ही उनका सपना सेना में शामिल होकर देश की सेवा करना था, जिसे उन्होंने अपनी लगन और मेहनत से साकार कर दिखाया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा महेंद्रगढ़ में ही हुई। उन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़ से पूरी की। उनकी इस उपलब्धि पर पिता गजराज सिंह, माता सरदीप कुमारी सहित पूरे परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विशेष का परिवार भी देशसेवा की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा रहा है। उनके दादा स्वर्गीय गुलजारीलाल आर्टिलरी में रहे थे। चाचा रविंद्र कुमार भी सेना की आर्टिलरी से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनके पिता गजराज सिंह आईटीबीपी से रिटायर्ड हैं।

कचरा उठान में लापरवाही बर्दाश्त नही : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित पोर्टल की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर रियल-टाइम डेटा अपडेट लगातार सुनिश्चित किया जाए ताकि हर स्तर पर निगरानी सुदृढ़ हो सके। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पोर्टल के माध्यम से नगर निकायों के प्रदर्शन का नियमित मूल्यांकन किया जाए और जहां कहीं भी कमियां पाई जाएं, वहां तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्वयं पोर्टल पर लाइव ट्रैकिंग सिस्टम का अवलोकन किया। इस पोर्टल पर नागरिक अपने क्षेत्र में कचरा उठाने वाले वाहनों की लाइव लोकेशन देख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शहरी निकायों में शत-प्रतिशत घरों के बाहर आरएफआईडी टैग लगाए जाएं, ताकि कचरा संग्रहण

की प्रक्रिया को डिजिटली ट्रैक किया जा सके। इससे न केवल कार्य में पारदर्शिता आएगी, बल्कि सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इसके साथ ही, उन्होंने जीपीएस आधारित व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए, ताकि कचरा उठाने वाली गाडियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

उन्होंने कहा कि नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की जाए कि वे अपने घरों के बाहर लगाए गए आरएफआईडी टैग की देखभाल करें। यदि किसी क्षेत्र में घरों से कचरा नियमित रूप से नहीं उठाया जा रहा है, तो नागरिक तुरंत इसकी शिकायत ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें, जिससे समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि आरएफआईडी के माध्यम से बिल कैलकुलेशन होगी और कचरा प्रबंधन से जुड़े वेंडर्स द्वारा बिल प्रस्तुत करते ही इसी पोर्टल के माध्यम से भुगतान होगा, जिससे वेंडर्स को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी स्तर पर जवाबदेही स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाए, ताकि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए।

बैंक घोटाले में पंचायत विभाग का अधीक्षक बर्खास्त

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आईडीएफसी व एयू स्मॉल बैंक घोटाले में कार्रवाई करते हुए विकास एवं पंचायत विभाग के अधीक्षक नरेश भुवानी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई आपराधिक साजिश की विस्तृत जांच और ठोस सबूत सामने आने के बाद की गई है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि निदेशक, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा फरवरी 2026 में गठित एक जांच समिति ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में संचालित खातों में गड़बडियों और अनियमितताओं का खुलासा किया था। समिति की रिपोर्ट और सहायक दस्तावेजों के आधार पर यह मामला आपराधिक जांच के लिए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद 23 फरवरी 2026 को पंचकूला स्थित राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो थाने में एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि यह मामला एक संगठित, बहु-स्तरीय वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है, जिसमें सरकारी धन को फर्जी बैंकिंग लेनदेन के जरिए 'शेल कंपनियों' में ट्रांसफर किया गया।

हरियाणा सरकार का दावा, 2027 तक यमुना होगी प्रदूषण मुक्त

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि साल 2027 के अंत तक यमुना नदी में एक भी बूंद गंदे पानी की न जाए। इसके लिए सभी विभाग मिलकर तेजी से कार्य करें और जहां आवश्यकता हो वहां नए औद्योगिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (ईटीपी), सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तथा सामान्य अपशिष्ट उपचार केंद्र (सीईटीपी) लगवाए जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यमुना में जाने वाले पानी को शुद्ध करने के लिए यमुना कैचमेंट एरिया में 1543 एमएलडी क्षमता के 91 एसटीपी संचालित किए जा रहे हैं जिनमें से 593 एमएलडी क्षमता के 41 एसटीपी पिछले 5 साल में तैयार करवाए गए हैं।

नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम का विपक्ष द्वारा किया विरोध देश कभी नहीं भूलेगा: सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला शक्ति को समुचित स्थान और यथोचित सम्मान दिया है। कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की नारी विरोधी सोच के चलते नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम पास नहीं हो पाया। विपक्ष ने तालियां बजाकर, मेजें थपथपाकर, हंसी उड़ाकर महिला शक्ति का अपमान किया। विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संसद में विपक्ष के नेता जिस तरह से अट्ठास कर रहे थे वह किसी दानवी अट्ठास से कम नजर नहीं आ रहा था।

गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मोदी सरकार की महिला सशक्तिकरण नीतियों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर देने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस दिन से सत्ता संभाली है उसी

दिन से महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर दिया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालने के बाद से ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कई योजनाएं सीधे तौर पर महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। वहीं स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बनाए गए शौचालयों ने महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। श्री त्रिवेदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभियान ने समाज में बेटियों के प्रति सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरियाणा जैसे राज्यों में लिंगानुपात में सुधार इसका प्रमाण है। भाजपा सरकार आने से पहले हरियाणा में प्रति हजार लडक़ों पर 834 लड़कियां थीं, वहीं अब यह आंकड़ा बढक़र 923 तक पहुंच गया है।श्री त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है, जबकि देशभर में 10 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण और 15 करोड़ घरों तक नल से जल की सुविधा पहुंचाना भी महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में मोदी सरकार का बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लाभार्थियों में बड़ी संख्या महिलाओं की है जो सरकार की नीतियों की सफलता को दर्शाता है। प्रेस वार्ता के दौरान सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम को विपक्ष की नकारात्मक सोच के कारण पारित नहीं किया जा सका।

कैथल में 'ज्ञान दान बुक बैंक' की शुरुआत, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेंगी मुफ्त किताबें

एजेंसी

कैथल। जिला प्रशासन ने शिक्षा को बढ़ावा देने और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए 'ज्ञान दान बुक बैंक' पहल शुरू की है। इस योजना के तहत मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निशुल्क पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। डीसी अपराजिता ने कहा कि पुस्तकों का दान सबसे बड़ा दान है, जो किसी विद्यार्थी की जिंदगी बदल सकता है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन से अपील की कि वे जनहित में अधिक से अधिक किताबें दान करें, ताकि जो विद्यार्थी किताबें खरीदने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें भी बेहतर अध्ययन सामग्री मिल सके। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक के दौरान डीसी अपराजिता, एडीसी डॉ. सुशील कुमार, जिला परिषद सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम कैथल संजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी सैकड़ों पुस्तकें दान कीं। डीसी ने स्वयं 100 से अधिक किताबें दान कर इस अभियान की शुरुआत की।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विभागों से कम से कम 100-100 पुस्तकें दान करें। साथ ही आम नागरिक भी अपनी पुरानी या नई किताबें जींद रोड स्थित जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में स्थापित बुक बैंक में जमा कर सकते हैं। कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक पुस्तकें जमा की जा सकेंगी। ज्ञान दान बुक बैंक के लिए छत्रपाल (डीएमएस) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। आमजन पुस्तकें दान करने के लिए मोबाइल नंबर 94679-20070 और 96715-86626 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा लोग अपने नजदीकी सरकारी स्कूल में भी पुस्तकें जमा कर सकते हैं, जहां से उन्हें बुक बैंक तक पहुंचाया जाएगा।

हरियाणा में भीषण गर्मी का प्रकोप

रोहतक 44.6°C के साथ सबसे गर्म, 12 शहरों में हीटवेव का अलर्ट

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के तापमान में भारी उछाल आने से अधिकांश जिले भीषण लू (Heatwave) की चपेट में रहे। रोहतक प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां पारा 44.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग 6 डिग्री अधिक है। तापमान की स्थिति : प्रमुख शहरों का पारा प्रदेश के 13 प्रमुख शहरों में तापमान 42 डिग्री के पार दर्ज किया गया- रोहतकः 44.6°C, फरीदाबादः 43.5°C, सिरसाः 43.4°C, हिसारः 42.9°C, नारनौलः 42.8°C। मौसम विभाग ने अंबाला, गुरुग्राम, सोनीपत और फरीदाबाद सहित कई जिलों में लू के साथ-साथ 'वॉर्म नाइट' (गर्म रात) का भी अलर्ट जारी किया है। भिवानी में न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे रातें भी बेचैन करने वाली रहीं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (HAU) के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 26 अप्रैल की रात से 29 अप्रैल के दौरान प्रदेश में मौसम परिवर्तनशील रहेगा। एक पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) के प्रभाव से गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की

संभावना है, जिससे तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी

संभावित बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए कृषि विशेषज्ञों ने निर्देश जारी किए हैं:

फसल सुरक्षाः गेहूं और जौ की कटाई व थ्रेसिंग का काम जल्द पूरा कर अनाज सुरक्षित स्थान पर रखें।

बुवाई रोकें : अगले 3-4 दिनों तक कपास, मूंग और सब्जियों की बुवाई टाल दें।

कीटनाशक : बारिश की संभावना को देखते हुए अभी किसी भी कीटनाशक का छिड़काव न करें।

पशु देखभाल : पशुओं को 'हीट स्ट्रेस' से बचाने के लिए छायादार स्थानों पर रखें और पर्याप्त पानी पिलाएं।

तीन करोड़ 20 लाख रूपये की लागत से होगा अनाज मंडी का विकास

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है और उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार है। खरीद प्रक्रिया को समुचित ढंग से संपन्न करवाने हेतू मंडियों में आवश्यक विकासात्मक कार्य करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मनोहरपुर अनाज मंडी में करीब तीन करोड़ 20 लाख रुपये की धन राशि से विकास कार्य कराए जाएंगे। जिससे किसानों और आढ़तियों को लाभ मिलेगा। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मनोहरपुर अनाज मंडी में विकास कार्यों का शुभारंभ करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मनोहरपुर अनाज मंडी के विकसित होने से आसपास के लगभग 10 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मंडी में पक्का मैदान बरसाती पानी के लिए नाली, लेवलिंग, पक्का रास्ता और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। सुविधाएं उपलब्ध होने से किसानों को अपनी फसल बेचने में आसानी होगी और मंडी में किसानों द्वारा लाई जाने वाली फसल भी साफ-सुथरी रहेगी, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हितों में अनेकों योजनाएं चलाई गई हैं।भावांतर भरपाई योजना के तहत किसानों को फसलों के उचित दाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं से फसल खराब होने पर किसानों को आर्थिक सुरक्षा दी जा रही है। इसके अलावा मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के जरिए किसानों को अपनी फसल का पंजीकरण करने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिल रही है। कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत किसानों को उनकी जमीन की गुणवत्ता के अनुसार उर्वरक उपयोग की जानकारी दी जा रही है।

एनसीआर में वायु गुणवत्ता की होगी सटीक निगरानी, बनेंगे 23 नए सीएएक्यूएमएस : अनुराग रस्तोगी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा एनसीआर में वायु गुणवत्ता की सटीक निगरानी के लिए 23 नए सीएएक्यूएमएस स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, राज्य में संचालित कैब एवं राइड-शेयरिंग सेवाओं को विनियमित करने के लिए शीघ्र ही एग्रीगेटर पॉलिसी लाई जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और वायु गुणवत्ता प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न पहलों की व्यापक समीक्षा की। इस उच्च स्तरीय बैठक में प्रदूषण में 30-35 प्रतिशत तक कमी लाने के लक्ष्य के साथ बहु-क्षेत्रीय कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने एनसीआर के नगर निगम आयुक्तों तथा गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरणों को निर्देश दिए कि वे कम से कम पांच प्रमुख सड़कों की पहचान कर उन्हें मॉडल 'डस्ट-फ्री' सड़कों के रूप में विकसित करें। इस सम्बन्ध में वर्ष 2026 के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने से लेकर कार्य पूर्ण होने तक की एक समग्र और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि परिवहन, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों तथा औद्योगिक उत्सर्जन से होने वाले प्रदूषण को

सटीक योजना और समयबद्ध कार्यान्वयन के माध्यम से प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना होगा। पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने क्षेत्र में वाहनों से होने वाले प्रदूषण की सघन जांच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वाहन प्रदूषण मानकों के अनुपालन को जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू किया जाए और एनसीआर के व्यस्त मार्गों पर विशेष जांच अभियान चलाकर अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने चलती गाड़ियों के उत्सर्जन की निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग और उसके आधार पर चालान करने पर बल दिया। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि प्रदूषण जांच केंद्रों से डेटा एकत्रित किया जाए कि कितने मामलों में प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार किया गया अथवा कितने मामलों में उत्सर्जन मानक निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया।परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू ने बताया कि राज्य में संचालित कैब एवं राइड-शेयरिंग सेवाओं को विनियमित करने के लिए शीघ्र ही एग्रीगेटर नीति लाई जाएगी। इससे निजी वाहनों का बड़ा बेड़ा नियामक ढांचे के तहत आएगा और यह सुनिश्चित होगा कि एग्रीगेटर से जुड़े वाहन निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन करें और क्षेत्र में परिवहन से होने वाले प्रदूषण को कम करने के समग्र प्रयासों में योगदान दें।

नारनौल में नीट-यूजी परीक्षार्थियों की सुविधा को लेकर प्रशासन सतर्क, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिला स्तर पर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नीट-यूजी परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के दिन सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था इस प्रकार से दुरुस्त की जाए कि परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों तक समय पर और सहजता से पहुंच सकें। यह निर्देश उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा तीन मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2026) को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के बाद दिए।उपायुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि

किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र पर निर्बाध बिजली, स्वच्छ पेयजल और शौचालयों की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान परीक्षार्थियों के लिए छाया की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें धूप में खड़ा न रहना पड़े। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा की पारदर्शिता और सुचारू संचालन के लिए आपसी समन्वय बनाए रखें। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक, एडीसी तरुण कुमार पावरिया, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

जियोस्टार का राजस्व 2025-26 में 36,248 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ।

मीडिया और मनोरंजन मंच जियोस्टार ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान उससे 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वॉल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम जियोस्टार का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अनुसार जियोस्टार की सदस्यता राजस्व वृद्धि पूरे वर्ष डिजिटल और टीवी दोनों में मजबूत रही। बयान में कहा गया कि यह वृद्धि खेल कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और प्रमुख मनोरंजन फ्रेंचाइजी में रिकॉर्ड जुड़ाव के कारण हुई है। इस संयुक्त उद्यम के पास अधिकांश प्रमुख क्रिकेट प्रसारण अधिकार हैं और उसने तिमाही के दौरान औसतन 50 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता दर्ज किए।

क्या फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप में निवेश से मिल रहा दोहरा फायदा?

निवेशकों को लग सकता है झटका, एक ही एएमसी में निवेश का जोखिम

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड केप फंड्स की लोकप्रियता बढ़ रही है। कई निवेशक मानते हैं कि दोनों कैटेगरी में निवेश से उनका पोर्टफोलियो सुरक्षित और डाइवर्सिफाइड हो जाएगा, लेकिन असल तस्वीर थोड़ी अलग है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इन फंड्स के पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप देखा जा रहा है, खासकर एक ही एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के फंड्स में, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। वैल्यू रिसर्च के विश्लेषण में सामने आया है कि करीब 31 फंड पेयर्स में से 16 में 40 प्रतिशत से अधिक स्टॉक्स का ओवरलैप था। इसका मतलब है कि निवेशक अनजाने में एक ही स्टॉक्स में दो बार पैसा लगा रहे होते हैं। बाजार के विश्लेषक बताते हैं कि फ्लैक्सी केप फंड्स को बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड या स्मॉल कैप में निवेश बदलने की आजादी होती है, जबकि लार्ज एंड मिड कैप फंड्स को न्यूनतम 35 फीसदी लार्ज कैप और 35 फीसदी मिड कैप में निवेश करना अनिवार्य है। हालांकि फ्लैक्सी कैप फंड्स अक्सर लार्ज कैप की ओर ज्यादा झुकाव रखते हैं, जिससे दोनों फंड्स के पोर्टफोलियो में समानता बढ़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को ठीक से मॉनिटर करें और अलग-अलग एएमसी के फंड्स में निवेश करें, तो सीमित ओवरलैप के साथ भी बेहतर संतुलन बन सकता है। एक ही एएमसी के फ्लैक्सी केप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स में निवेश करने से एएमसी कंसंट्रेशन रिस्क बढ़ता है, क्योंकि एएमसी अक्सर एक जैसी निवेश रणनीति अपनाते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि किसी एक एएमसी में कुल पोर्टफोलियो का 25-30 प्रतिशत से अधिक निवेश न करें।

रिलायंस का मुनाफा 12 फीसदी घटा, आय हुई मजबूत

चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ घटकर 16,971 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में पश्चिम एशिया संघर्ष और उच्च कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुनाफे में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का संचयी मुनाफा 12.6 फीसदी घटकर 16,971 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 19,407 करोड़ रुपए से कम है। यह पिछले 14 तिमाहियों में दर्ज सबसे बड़ी गिरावट है। वैश्विक उथल-पुथल और ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, आरआईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि प्रदर्शित की। चौथी तिमाही में कंपनी की संचयी आय 12.5 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपए रही, जो 13 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। पूरे वित्त वर्ष 2026 में, रिलायंस 10.57 लाख करोड़ रुपये की कुल शुद्ध बिक्री के साथ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी।

उतार-चढ़ाव की सुनामी, सेंसेक्स और निफ्टी 2.5 फीसदी से नीचे लुढ़के

अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध और 100 डॉलर के पार कच्चे तेल ने बाजार पर डाला दबाव

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में 2 से 2.5 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल और अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में देर या गतिरोध ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव को हवा दी, जिसका सीधा असर निवेशकों के सेंटिमेंट पर पड़ा। पूरे हफ्ते बाजार भारी उतार-चढ़ाव से जूझता रहा, लेकिन अंततः लाल निशान पर बंद होकर निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये को बहा ले गया। सोमवार को बाजार ने अस्थिर शुरुआत की। पहले प्री-ओपनिंग की बढ़त गंवाकर सेंसेक्स में 200 अंक से अधिक की गिरावट आई और निफ्टी 24,300 से नीचे पहुंच गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और आरआईएल ने बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डाला। हालांकि, बाद में खरीदारी लौटने से बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर लौट आए और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

भू-राजनीतिक चुनौतियों और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद सेंसेक्स 26.76 अंक और निफ्टी 11.30 अंक बढ़कर बंद हुए। मंगलवार को भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद बाजार में जोरदार तेजी दिखी। अमेरिका-ईरान वार्ता की खबरों और ब्रेंट क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने की उम्मीद ने निवेशकों के सेंटिमेंट को बढ़ावा दिया।

सेंसेक्स 753.03 अंक चढ़कर 79,273.33 पर और निफ्टी 211.75 अंक बढ़कर 24,576.60 पर बंद हुआ, जिसमें अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर दो फीसदी तक चढ़े।

हालांकि, यह तेजी अल्पकालिक साबित हुई। तीन दिन की बढ़त के बाद बुधवार को आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार ने गिरावट दर्ज की। सेंसेक्स 756.84 अंक गिरकर 78,516.49 पर और निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 24,378.10 पर बंद हुआ।

भारतीय सोलर पर अमेरिकी शुल्क का असर, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के आर्थिक मोर्चे पर इस सप्ताह मिली-जुली खबरें रहीं। अमेरिका ने भारतीय सोलर सेल और पैनल पर 123.04 फीसदी प्रारंभिक एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की है, जिससे मुंद्रा सोलर जैसी चार भारतीय कंपनियां प्रभावित होंगी। यह कार्रवाई अमेरिकी कंपनियों की शिकायत पर की गई है, जिसमें भारतीय उत्पादों पर वास्तविक लागत से कम पर बेचने का आरोप है। सकारात्मक पक्ष पर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.362 अरब डॉलर बढ़कर 703.308 अरब डॉलर हो गया, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत संकेत है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आरबीआई को रुपये को सहारा देने के लिए डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा। घरेलू स्तर पर सेबी ने निवेशकों की सुरक्षा के लिए अनपेड सिक्योरिटीज के नियमों में बदलाव सुझाए हैं, जिससे भुगतान के लिए 5 ट्रेडिंग दिन का समय मिल सकेगा। वहीं एसबीआई कैप्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का पावर ट्रांसमिशन सेक्टर वित्त वर्ष 2027 में 7.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ पांच सुस्त वर्षों के बाद रिकवरी की ओर बढ़ सकता है।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया- देशभर में डिलीवरी में भारी देरी, उपभोक्ता परेशान

बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और बढ़ती मांग ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली । देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कॉमर्शियल सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है। प्रयागराज में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत सुरक्षा राशि सहित 4,600 रुपये से अधिक हो गई है। बिहार के पटना सहित कई इलाकों में बड़ी संख्या में बुकिंग लंबित हैं, जिसके मद्देनजर कुछ जगहों पर राशन दुकानों के माध्यम से कोयले की आपूर्ति शुरू की गई है। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच गैस की कमी ने हालात बदतर कर दिए हैं। भोपाल में लोग घंटों लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हैं, जबकि मैहर में विरोध प्रदर्शनों के चलते सड़कों को जाम कर दिया गया। राजस्थान में शादियों के लिए सिलेंडर लेने हेतु आवेदन के साथ शादी का कार्ड जमा करने जैसी अतिरिक्त औपचारिकताएं लागू की गई हैं, साथ ही लकड़ी और कोयले के इस्तेमाल की सलाह भी दी जा रही है।

अनुभवी अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बनेंगे

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुमन बेरी की जगह लेंगे

नई दिल्ली।

वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी को जल्द ही नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण नियुक्ति के साथ वह एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतिगत भूमिका में वापसी करेंगे। लाहिड़ी देश के शीर्ष थिंक टैंक में सुमन बेरी का स्थान लेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपनी आर्थिक वृद्धि और सुधारों को गति देने पर केंद्रित है। उनकी नियुक्ति से देश की आर्थिक रणनीति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अशोक लाहिड़ी का अनुभव नीतिगत और अकादमिक दोनों क्षेत्रों में दशकों पुराना है। वह दिसंबर 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे और जून 2007 तक इस पद पर कार्यरत रहे। इस कार्यकाल का एक हिस्सा मनमोहन सिंह की सरकार के अधीन भी रहा, जहां उन्होंने देश की वित्तीय नीतियों और आर्थिक सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक वित्त और आर्थिक विश्लेषण में उनके गहरे अनुभव को देखते हुए, उम्मीद है कि वे देश की प्राथमिकताओं को तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र रहे लाहिड़ी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसी संस्थाओं में भी अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भी सलाहकार और वरिष्ठ अर्थशास्त्री के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक के रूप में राजनीति में सक्रिय रहे लाहिड़ी की यह वापसी उन्हें फिर से देश की नीतिगत दिशा तय करने वाली भूमिका में ले आएगी। नीति आयोग में उपाध्यक्ष के तौर पर लाहिड़ी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उनकी प्राथमिकता लंबी अवधि की आर्थिक योजनाओं और नीतियों को मजबूत करना होगा, जिससे नीति आयोग की सलाहकार भूमिका और अधिक प्रभावी हो सके। सरकार ने लाहिड़ी के साथ जाने-माने वैज्ञानिक गोबर्धन दास

को भी नीति आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़े दास के वैज्ञानिक अनुभव से भी नीति निर्माण में लाभ मिलने की उम्मीद है। यह नियुक्तियां भारत के आर्थिक और वैज्ञानिक विकास के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

कच्चे तेल के बाद अब पाम तेल की किल्लत का खतरा

खाने से लेकर रोजमर्रा के उत्पादों तक पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनावों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच भारत एक और बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है। कच्चे तेल की आपूर्ति में संभावित बाधाओं के साथ-साथ अब देश के लिए पाम तेल की उपलब्धता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, जिससे रोजमर्रा के जीवन पर गहरा असर पड़ने की आशंका है। भारत दुनिया में पाम तेल का सबसे बड़ा आयातक है, अपनी अधिकांश जरूरतों के लिए इंडोनेशिया और मलेशिया पर निर्भर करता है। हाल ही में इंडोनेशिया द्वारा पाम तेल के निर्यात पर संभावित प्रतिबंध लगाने की घोषणा से भारत की खाद्य सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। भारत हर साल लगभग 95 लाख टन पाम तेल का उपयोग करता है, जबकि उत्पादन 4 लाख टन से भी कम है। यह देश के कुल खाद्य तेल का 40 फीसदी है, जो सस्ता होने और लंबे समय तक स्थिर रहने के कारण आधे से अधिक परिवारों की रसोई का अभिन्न अंग है। पाम तेल सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है। तले हुए चिप्स, नमकीन, बिस्कुट, केक, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, आइसक्रीम और सभी रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों में इसका व्यापक उपयोग होता है।

होटल, रेस्तरां और स्ट्रीट फूड विक्रेता भी तलने व मसाला बनाने के लिए इसे प्राथमिकता देते हैं। खाद्य उद्योग में 70 फीसदी से

अधिक पाम तेल खपत होता है। इसके अलावा, साबुन, शैम्पू, सौंदर्य प्रसाधन, लोशन और यहां तक कि टूथपेस्ट जैसे गैर-खाद्य उत्पादों में भी इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पाम तेल की आपूर्ति में किसी भी बाधा से महंगाई बढ़ने और दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

इन्फोसिस ने सीईओ पारेख को दिया 51 करोड़ से अधिक का शेयर प्रोत्साहन

बोर्ड ने प्रदर्शन आधारित रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट को मंजूरी दी, कर्मचारियों को भी मिलेगा लाभ।

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने अपने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सलील पारेख को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल 51.75 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर प्रोत्साहन के तौर पर देने को मंजूरी दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में इस संबंध में फैसला लिया। यह प्रोत्साहन कंपनी की 2015 और 2019 की शेयर प्रोत्साहन योजनाओं के तहत रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट (आरएसयू) के रूप में दिया जाएगा। पारेख को इसमें 34.75 करोड़ रुपए के आरएसयू मिलेंगे जो प्रदर्शन लक्ष्यों की पूर्ति के आधार पर एक वर्ष बाद दिए जाएंगे। इसके अलावा, उन्हें 2019 की विस्तारित शेयर स्वामित्व योजना के तहत 10 करोड़ रुपए मूल्य के आरएसयू भी प्रदान किए गए हैं। कंपनी ने पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रशासन (ईएसजी) लक्ष्यों से जुड़े 2 करोड़ रुपए और कुल शेयरधारक प्रतिफल (टीएसआर) से जुड़े 5 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रोत्साहन को भी हरी झंडी दी है। साथ ही इन्फोसिस ने अपने कर्मचारियों के लिए भी शेयर प्रोत्साहन की घोषणा की है, जिसमें 27,193 आरएसयू और 1.90 करोड़ रुपए मूल्य के प्रदर्शन-आधारित शेयर शामिल हैं।

कच्चे तेल में उबाल, कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

होरमुज तनाव से ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर पार, नोएडा, गुरुग्राम व पटना में बढ़ी कीमतें

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें फिर उछल गई हैं। ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिसका असर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखने लगा है। शनिवार को जारी नई कीमतों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 94.90 रुपए और डीजल 3 पैसे चढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर हो गया। गुरुग्राम में पेट्रोल 52 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 50 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए लीटर पर पहुंच गया। वहीं पटना में भी पेट्रोल 11 पैसे (105.59 रुपए) और डीजल 10 पैसे (91.82 रुपए) महंगा हुआ है।

हालांकि, देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल-डीजल के दाम फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 105.30 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 94.40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

होर्मुज पर अमेरिकी घेराबंदी ईरान पर दबाव, वैश्विक ऊर्जा बाजार में हड़कंप

यूएस नेवी ने ईरानी जहाज रोका, पोर्ट नाकेबंदी से जहाजों की आवाजाही ठप

नई दिल्ली ।

पश्चिम-एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना ने समुद्री प्रतिबंधों को लागू करने के लिए 24 अप्रैल को एक ईरानी झंडे वाले जहाज को रोक दिया। यह कार्रवाई अप्रैल की शुरुआत से चल रही ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी रणनीति का हिस्सा है, जिसने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गहरा असर डाला है। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिकी गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस राफेल पेराल्टा ने ईरान के एक बंदरगाह की ओर बढ़ रहे जहाज को रोका। यह कदम अमेरिकी प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

अप्रैल की शुरुआत से ही अमेरिका ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी को सख्त कर रहा है, जिसके तहत अब तक दर्जनों जहाजों को या तो रोका गया है या उन्हें वापस लौटा दिया गया है। इस नाकेबंदी का सीधा असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर दिख रहा है, जो सामान्यतः एक बेहद व्यस्त समुद्री मार्ग है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 22-23

अप्रैल के बीच इस रास्ते से सिर्फ सात जहाज गुजर पाए, जिनमें से छह ईरान से संबंधित व्यापार में शामिल थे। यह मार्ग वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी वहन करता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक तरह के संकट की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है। पाकिस्तान में युद्ध विराम के प्रयासों के बावजूद, आर्थिक प्रतिबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री आवाजाही जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेदों के कारण कोई ठोस बातचीत नहीं हो पा रही है।

आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख का जुर्माना लगाया

केवाईसी और जोखिम मूल्यांकन में कमी के लिए बंधन बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने पर सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय बैंक ने बंधन बैंक और मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर अलग-अलग मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई केवाईसी नियमों, जोखिम मूल्यांकन और निष्पक्ष व्यवहार संहिता के अनुपालन में कमी के कारण की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में अनुशासन बनाए रखना है। आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) नियमों और जोखिम मूल्यांकन से जुड़े दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन न करने के कारण लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने पाया कि बैंक कुछ खातों की जोखिम श्रेणी की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा और निदेशक से जुड़े ऋण को भी मंजूरी दी गई। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के लिए है, इसका बैंक और ग्राहकों के बीच के किसी लेनदेन से कोई संबंध नहीं है। इसी क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक ने मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर भी 80,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई फेयर प्रैक्टिस कोड (निष्पक्ष व्यवहार संहिता) के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के चलते की गई है। आरबीआई ने दोनों संस्थानों पर यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लगाया है। आरबीआई ने दोनों मामलों में दोहराया कि इन जुर्मानों का मुख्य उद्देश्य वित्तीय संस्थानों को नियमों के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाना और भविष्य में ऐसी अनुपालन संबंधी कमियों को रोकना है। केंद्रीय बैंक वित्तीय क्षेत्र में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेएफई स्टील 15,750 करोड़ का निवेश कर 50 फीसदी हिस्सेदारी लेगा

संबलपुर संयंत्र की क्षमता 45 लाख टन से बढ़कर 1 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी

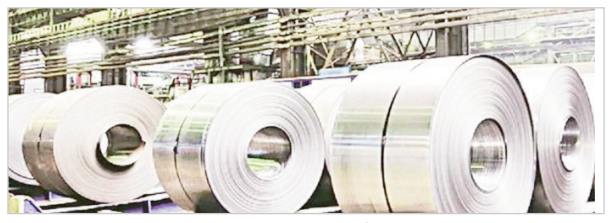

भुवनेश्वर ।

ओडिशा सरकार ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने भारतीय दिग्गज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन के बीच एक संयुक्त उद्यम की स्थापना में सहयोग किया। इस ऐतिहासिक साझेदारी के तहत, संबलपुर जिले में इस्पात संयंत्र के विस्तार के लिए कुल 32,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समान साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के रेंगाली स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्र का विस्तार करेगा, जिसे अब जेएसडब्ल्यू समूह संचालित कर रहा है। जापानी भागीदार जेएफई स्टील लगभग 15,750 करोड़ रुपये का निवेश कर इस संयुक्त उपक्रम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगा। परियोजना की कुल लागत 32,000 करोड़ रुपये होगी और इससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता 45 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 10 एमटीपीए हो जाएगी। विस्तारित संयंत्र में हॉट-रोल्ड स्टील, कोल्ड-रोल्ड स्टील, बार, वायर रॉड और पाइप जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों का उत्पादन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल और जेएफई स्टील के अध्यक्ष मसायुकी हिरोसे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह परियोजना ओडिशा को लौह अयस्क उत्पादक राज्य से एक उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी।

उन्होंने दोहराया कि राज्य का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जो इस तरह के निवेश से संभव होगा।

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया इतिहास

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दशार्ता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती

की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊजार्वान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

संजय गोस्वामी

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मयार्दा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अतः यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन सजा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैं लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैं इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गईं कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्जा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अर्थःकबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (Self-reflection) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा था:अमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया। ऋषियों को ऐसे द्रष्टा के रूप में वर्णित किया गया है जिन्होंने वैदिक मंत्रों को प्रकट किया, जबकि मुनि ऐसे संत हैं जो अपने मौन व्रत या आध्यात्मिक मौन में गहरी तल्लीनता के लिए जाने जाते हैं। इसलिए भारत एक महान देश है. क्योंकि इसकी सभ्यता और संस्कृति पश्चिम देशों जैसी अश्लील नहीं है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दक्षिण अफ्रीका के पुलिस प्रमुख निलंबित

जोहान्सबर्ग., एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष पुलिस अधिकारी को गुरुवार को राष्ट्रपति द्वारा निलंबित कर दिया गया, उन पर कथित तौर पर भ्रष्ट पुलिस अनुबंध से संबंधित वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। फैनी मासेमोला मंगलवार को अदालत में पेश हुई और उनके साथ 12 अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पेश होने वाले थे, जिन पर स्थानीय कंपनी को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से दिए गए अनुबंध के संबंध में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है। मासेमोला पर लगे आरोप पुलिस सेवा में लेखा अधिकारी के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित हैं। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्होंने पुलिस सेवा में वित्तीय प्रबंधन सेवाओं के आयुक्त पुलेंग डिम्पाने को कार्यवाहक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है, जबकि मासेमोला पर मुकदमा चल रहा है। रामाफोसा ने कहा, 'मैंने जनरल मासेमोला से सहमति जताई है कि मामले के निष्कर्ष तक उन्हें एहतियाती निलंबन पर माना जाए।' उनका निलंबन देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद हुआ है, जिनका खुलासा पिछले साल रामाफोसा द्वारा नियुक्त एक जांच आयोग में हुआ था।

पाकिस्तान में गोलीबारी की घटनाओं में पांच की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में संपत्ति विवाद और लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के चलते गुरुवार को अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए और सात घायल हो गए। ये घटनाएं चारसद्दा जिले के खुबाई, गोंडा और शबकदर बाजार क्षेत्रों में हुईं, जहां सशस्त्र व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए। घायलों को इलाज के लिए पास के चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। शबकदर और बटग्राम थानों के पुलिस अधिकारियों ने मामले दर्ज कर घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

लुइसियाना के मॉल में गोलीबारी, एक की मौत ; पांच लोग घायल

लुइसियाना, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में एक मॉल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि मॉल के फूड कोर्ट के पास दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इससे पहले पुलिस ने 10 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। लुइसियाना के गवर्नर ने गुरुवार को कहा कि बैटन रूज में मॉल ऑफ लुइसियाना में एक गोलीबारी की घटना हुई है। गवर्नर जेफ लैंड्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क में हूं और जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। कृपया उस क्षेत्र से दूर रहें। लैंड्री ने कहा कि वे और उनकी पत्नी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ ने गुरुवार को देश के भीतर आंतरिक विभाजन के दावों को सख्ती से खारिज किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े बयानों का जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान में किसी तरह का विभाजन नहीं है और सभी लोग एकजुट हैं तथा देश के नेतृत्व के प्रति वफादार हैं। उन्होंने लिखा कि ईरान में न तो कोई चरमपंथी है और न ही नरमपंथी, बल्कि सभी 'ईरानी' और 'क्रांतिकारी' हैं। गालिबाफ ने यह भी कहा कि देश बाहरी दबावों के बावजूद पूरी तरह एकजुट है और सरकार तथा जनता के बीच 'लोहे जैसी एकता' मौजूद है। उन्होंने इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति पूर्ण निष्ठा का भी जिक्र किया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान किसी भी आक्रमण करने वाले को उसके कृत्यों पर पछताने पर मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान का मार्ग एकता और जीत का मार्ग है, जिसमें एक अल्लाह, एक नेता और एक राष्ट्र शामिल हैं। यह बयान उस समय आया, जब ट्रंप ने पहले दावा किया था कि ईरान के नेतृत्व में कट्टरपंथियों और नरमपंथियों के बीच आंतरिक मतभेद और संघर्ष चल रहा है।

गुयाना का दावा: जब्त टैंकर गलत तरीके से उसके झंडे का इस्तेमाल कर रहा था दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है। इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी। ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। कुवैत ने अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोला फरवरी के अंत में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद कुवैत ने पहली बार अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोल दिया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण के महानिदेशक हमूद मुबारक ने सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र गुरुवार से फिर से खोल दिया गया है। इसे 28 फरवरी से क्षेत्र की स्थिति के कारण अस्थायी और एहतियाती तौर पर बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कदम एक चरणबद्ध योजना का हिस्सा है, जिसके तहत धीरे-धीरे हवाई यातायात बहाल किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में हवाई अड्डे का संचालन पूरी तरह सामान्य किया जा सके। मुबारक ने यह भी बताया कि हवाई अड्डे की कुछ सुविधाओं को ईरान और उससे जुड़े सशस्त्र समूहों के हमलों से जो नुकसान हुआ था, उसका आकलन पूरा कर लिया गया है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए भारतीय सेना प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स के अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। भारतीय सेना ने शुक्रवार को इसे उनकी सैन्य सेवा और नेतृत्व का महत्वपूर्ण सम्मान बताया। जनरल द्विवेदी इस सम्मान को पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह को यह गौरव मिल चुका है।

भारतीय सेना ने किया ट्वीट : भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स, यूएसए का दौरा किया, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। पोस्ट में आगे कहा गया कि सेना प्रमुख ने वॉर कॉलेज की फैकल्टी और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अधिकारियों को नेतृत्व, पेशेवर सैन्य शिक्षा और बदलते सुरक्षा परिदृश्य पर संबोधित किया। स्नातक के फेलो और इस प्रतिष्ठित संस्थान के पूर्व छात्र रहे जनरल द्विवेदी ने कॉलेज की प्रमुख सुविधाओं का दौरा किया और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें पैनल चर्चा, शोध परियोजनाओं की समीक्षा और संस्थान के विशेषज्ञों से संवाद शामिल रहा।

दूतावास ने कहा- भारत अमेरिका में बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी : इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने वॉशिंगटन में इंडिया हाउस में जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मेजबानी की। भारतीय दूतावास ने बताया कि यह दौरा हाल ही में नौसेना और वायु सेना प्रमुखों की यात्राओं के बाद हो रहा है, जो भारत-अमेरिका के बीच उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग को दर्शाता है। दूतावास के अनुसार, रक्षा सहयोग भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का एक अहम स्तंभ है और ऐसे दौरे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे पहले, जनरल द्विवेदी को हवाई स्थित फोर्ट शाफ्टर में यूएस आर्मी पैसिफिक के दौरे के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

जब तक ईरान समझौते पर सहमत नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर दबदबा बनाए रखेगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान कोई समझौता नहीं करता, तब तक अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। उन्होंने साफ कहा कि इस अहम तेल मार्ग को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने कहा, 'इस पर हमारा पूरा नियंत्रण है। यह रास्ता तभी खुलेगा जब वे कोई समझौता करेंगे या फिर कोई और सकारात्मक स्थिति बनेगी।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस रास्ते को बंद रखने का मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालना है। ट्रंप बोले, 'अगर हम यह रास्ता खोल देते हैं, तो ईरान रोज़ाना करीब 500 मिलियन डॉलर कमाएगा। जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, मैं नहीं चाहता कि वे इतना पैसा कमाएं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ एक संकरा समुद्री रास्ता है, जो खाड़ी के तेल उत्पादक देशों को दुनिया के बाजारों से जोड़ता है। यहां किसी भी तरह की रुकावट से तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ट्रंप ने माना कि इसका असर आम लोगों पर भी पड़ सकता है। ईंधन की कीमतों को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'थोड़े समय के लिए असर होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार अभी स्थिर हैं। ट्रंप बोले, 'शेयर बाजार अपने उच्चतम स्तर पर है। मुझे लगा था कि तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कीमतें उम्मीद से काफी अलग हैं। प्रशासन ने कहा कि देश में ज्यादा उत्पादन होने से स्थिति संभली हुई है। ट्रंप ने बताया, 'हम इस समय अपने इतिहास में सबसे ज्यादा तेल और गैस का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जब तक यह रास्ता बंद है, दुनिया भर से जहाज टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का आ रहे हैं, ताकि अमेरिका से तेल ले सकें।' ट्रंप ने इस पूरे दबाव को सुरक्षा से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस मामले का हल जल्दी नहीं निकलेगा। ट्रंप ने कहा, 'मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है, हमारे पास काफी समय है।' इससे साफ है कि तेल के सीमित प्रवाह के कारण ईरान पर दबाव बढ़ता जाएगा।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही इसे एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया और वाशिंगटन में दोनों पक्षों के बीच संभावित सीधी बातचीत का संकेत दिया। यह फैसला ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अमेरिका में लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद और इजरायल के राजदूत येचिएल लीटर बैठक में शामिल थे। ट्रंप ने कहा, 'वे तीन सप्ताह के अतिरिक्त युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, अब और गोलीबारी नहीं होगी। दोनों देशों के नेता आने वाले सप्ताह में वाशिंगटन का दौरा कर सकते हैं।' उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस कदम को 'एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण' बताया और दोनों पक्षों को एक साथ लाने का श्रेय राष्ट्रपति की सीधी भागीदारी को दिया। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से दोनों देशों को दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए अवसर मिलेगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और लेबनान दोनों को हिजबुल्लाह को लेकर एक जैसी सुरक्षा चिंता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देश एक ही आतंकवादी संगठन के शिकार हैं, और आशा व्यक्त की कि युद्धविराम से दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजरायल शांति और नागरिकों की सुरक्षा चाहता है। दोनों सरकारें एकजुट हैं और हिजबुल्लाह के प्रभाव से देश को मुक्त कराना चाहती हैं। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने अमेरिकी समर्थन का स्वागत करते हुए कहा, 'आपकी मदद और समर्थन से हम लेबनान को फिर से स्थिर बना सकते हैं। ट्रंप ने युद्धविराम के प्रयास को व्यापक क्षेत्रीय कूटनीति से जोड़ा, जिसमें ईरान से संबंधित अमेरिकी प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इजरायल-लेबनान वार्ता, उन कुछ मुद्दों की तुलना में आसान होनी चाहिए जिन पर हम काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक साझा खतरे के खिलाफ एकजुट हैं।' ट्रंप ने दोहराया कि हमले की स्थिति में इजरायल को जवाबी कार्रवाई का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इजरायल को अपनी रक्षा करनी होगी और वे करेंगे। कोई भी जवाबी कार्रवाई 'सतर्क' और 'सटीक' होगी। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय देश भविष्य की वार्ताओं में भूमिका निभा सकते हैं। सऊदी अरब 'इससे बहुत खुश होगा' और शांति प्रयासों का समर्थन करेगा।

ट्रंप ने लेबनान में स्थिरता की संभावनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत अच्छी संभावना है कि वार्ता बहुत जल्दी फिर से शुरू हो सकती है। यह युद्धविराम विस्तार इजरायल-लेबनान सीमा पर लगातार तनाव के बीच हुआ है, जहां हिजबुल्लाह एक प्रमुख सशस्त्र समूह बना हुआ है। ईरान समर्थित यह समूह लंबे समय से क्षेत्रीय संघर्षों का केंद्र रहा है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी भारत का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त राष्ट्र की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है। बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, 'चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 सालों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। वह 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ थीं। इसका मूलमंत्र था, 'नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना।' जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश एक सुधारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

आरएसएस और भारत को लेकर अमेरिका में गलत धारणा', दत्तात्रेय होसबाले का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आरएसएस भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित एक जन-आधारित स्वैच्छिक संगठन है। इसे आम तौर पर हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि संगठन चरित्र, आत्मविश्वास और सेवा की भावना वाले स्वयंसेवक तैयार करने के लिए रोजाना और साप्ताहिक एक घंटे की साखाएं चलाता है। इनके माध्यम से जीवन मूल्य सिखाए जाते हैं और समाज के लिए इंसान को तैयार किया जाता है। इसके साथ ही संगठन प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य भी करता है। संगठन से जुड़े स्वयंसेवकों ने 40 नागरिक संस्थाएं भी बनाई हैं। 'अमेरिका में आरएसएस और भारत को लेकर गलत धारणा' अमेरिकियों को आरएसएस के बारे में क्या गलतफहमी है, इस पर आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा, अमेरिकियों की गलतफहमी केवल आरएसएस के बारे में नहीं है। भारत के बारे में भी है। अमेरिका की गलतफहमी यह है कि यह (भारत) अधिक जनसंख्या वाला, झुग्गियों से भरा, गरीबी वाला देश है और इसे सांप-सपेरों, झुग्गियों और साधुओं की भूमि माना जाता है। जबकि भारत एक तकनीकी केंद्र भी है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ये बातें आम अमेरिकी धारणा में कहीं न कहीं छूट जाती हैं। आरएसएस के बारे में भी जो धारणा बनाई गई है, चाहे जानबूझकर या अनजाने में या किसी एजेंडे के हिस्से के रूप में, वह यह है कि आरएसएस हिंदू श्रेष्ठतावादी है और किसी तरह ईसाई-विरोधी, अल्पसंख्यक-विरोधी, महिलाओं के विकास का विरोधी और आधुनिकता का विरोधी है। जो सकारात्मक बातें हैं, वह हमेशा नहीं बताई जाती। 'हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं' कार्यक्रम में उनसे सवाल किया गया कि इस विचार को कि आरएसएस एक हिंदू श्रेष्ठतावादी संगठन है, आप कैसे चुनौती देंगे, इस पर होसबाले ने कहा, हिंदू दर्शन और संस्कृति हमेशा खुद को दूसरों से अधिक श्रेष्ठ मानने की नहीं हैं। हम हर किसी में एक जैसे देखते हैं, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव। जब यह हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं हो सकता। इतिहास में, हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया या किसी को गुलाम नहीं बनाया। हिंदुओं के माफी मांगने के लिए कुछ नहीं है। 'सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत नहीं' होसबाले ने कहा, आधुनिकता और सांस्कृतिक मूल्य साथ-साथ चल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत दिशा में जाते हैं। सनातन का मतलब शाश्वतता है।

ट्रंप ने दवाओं की कीमतों में रिकॉर्ड कटौती का किया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पर्चे वाली दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों के साथ व्यापक समझौतों की घोषणा की और इसे 'हमारे देश के इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कटौती' बताया।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रमुख कंपनियों में से एक रीजेनेरॉन, 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' कीमतों पर दवाएं देने के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने कहा, 'कीमतें ऐसे स्तर तक गिरेंगी, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।' उन्होंने कहा, 'इस घोषणा के साथ, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, जो ब्रांडेड दवाओं के बाजार के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब अमेरिकी मरीजों को दुनिया में कहीं भी मिलने वाली सबसे कम कीमतों पर अपनी दवाएं बेचने के लिए सहमत हो गई हैं।' ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से अत्यधिक कीमतें चुकाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दशकों से अमेरिकियों को पर्चे वाली दवाओं के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा कीमतें चुकाने के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने इस कदम का समर्थन करते हुए इसे लंबे समय से जारी 'लूट' के खिलाफ कार्रवाई बताया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 'दुनिया की आबादी का 4.2 प्रतिशत' है, फार्मास्युटिकल उद्योग के '75 प्रतिशत मुनाफे' का स्रोत रहा है। सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज़ ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाना है। उन्होंने कहा, 'हर तीन में से एक अमेरिकी...अक्सर बिना दवा लिए ही लौट जाता है क्योंकि वह दवाएं खरीदने में सक्षम

नहीं होता। प्रशासन ने कुछ खास कीमतों में कटौती का भी उल्लेख किया, जिसमें एक कोलेस्ट्रॉल की दवा की कीमत '537 डॉलर से घटकर 225 डॉलर' और एक वजन घटाने की दवा की कीमत '1,350 डॉलर प्रति माह से घटकर 199 डॉलर प्रति माह तक' होने की बात कही गई। रीजेनेरॉन के सीईओ लियोनार्ड श्लाइफ़र ने कहा कि कंपनी वैश्विक मूल्य संतुलन के प्रयासों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हमें यहां आने के लिए मजबूर नहीं किया गया। हम यहां आकर खुश हैं क्योंकि यह दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने एक दुर्लभ प्रकार के बहरापन के लिए जीन थेरेपी की भी घोषणा की, जिसे पात्र बच्चों को कुछ समय तक मुफ्त प्रदान किया जाएगा। जॉर्ज यानकोपोलोस ने इस उपचार को 'अपने तरह की पहली जीन थेरेपी... जिससे ट्रैविस अब अपनी माँ की आवाज सुन सकता है' बताया। सिएरा स्मिथ, जिनके दो साल के बेटे को यह थेरेपी दी गई, ने इस परिणाम को 'बेहद अद्भुत' बताया और कहा, 'अब वह सुन सकता है... यह जीवन बदल देने वाला है। वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि यह नीति घरेलू विनिर्माण से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि 448 अरब डॉलर का दवा निर्माण अमेरिका में आएगा।' व्हाइट हाउस ने कहा कि ये समझौते अब ब्रांडेड फार्मास्युटिकल बाजार के लगभग 86 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हैं और आगे भी बातचीत जारी है।

गर्मियों में फूड पॉइजनिंग से कैसे करें बचाव?

गर्मियों में बाहर का खाना कई बार सेहत को महंगा पड़ सकता है, इन दिनों कई प्रकार के खाद्य-पदार्थों के जल्दी खराब होने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में कई बार तो घर में बना खाना भी जल्द खराब हो जाता है। आइए, हम आपको बताते हैं कि अगर गर्मियों में फूड पॉइजनिंग के शिकार हो जाएं, तो इससे बचाव के लिए कौन से उपाय अपना सकते हैं -

नींबू का सेवन करें: नींबू में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण मौजूद होते हैं। इसलिए इसे पीने से फूड पॉइजनिंग वाले बैक्टीरिया मर जाते हैं। आप खाली पेट नींबू-पानी बनाकर पी सकते हैं या चाहें तो गर्म पानी में नींबू निचोड़ें और पी जाएं।

सेब के सिरके का सेवन करें: सेब के सिरके में मेटाबालिज्म रेट को बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। खाली पेट इसका सेवन करने पर यह भी खराब बैक्टीरिया को मारने में मदद करते हैं।

तुलसी का सेवन करें: तुलसी में मौजूद रोगाणुरोधी गुण सूक्ष्म जीवों से लड़ते हैं। तुलसी का सेवन आप कई तरीकों से कर सकते हैं। एक कटोरी दही में तुलसी की पत्तियां, कालीमिर्च और थोड़ा सा नमक डालकर खा सकते हैं। पानी व चाय में भी तुलसी की पत्तियां डालकर पी सकते हैं।

दही खाएं: दही एक प्रकार का एंटीबायोटिक है, इसमें थोड़ा सा काला नमक डालकर इसे खा सकते हैं।

लहसुन खाएं: लहसुन में एंटी फंगल गुण होते हैं। आप सुबह खाली पेट लहसन की कच्ची कलियां पानी के साथ खा सकते हैं। इससे भी राहत मिलेगी।

पालक के यह गुण जानकर आप भी चौंक जाएंगे

पालक में जो गुण पाए जाते हैं, वे सामान्यतः अन्य शाक-भाजी में नहीं होते। यही कारण है कि पालक स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है, सर्वसुलभ एवं सस्ता है।

यह भारत के प्रायः सभी प्रांतों में बहुलता से सहज मिल जाता है। इसका पौधा लगभग एक से डेढ़ फुट ऊंचा होता है। इसके पत्ते चिकने,मांसल व मोटे होते हैं। यह साधारणतः शीत ऋतु में अधिक पैदा होता है, कहीं-कहीं अन्य ऋतुओं में भी इसकी खेती होती है।

गुण और लाभ

- इसमें पाए जाने वाले तत्वों में मुख्य रूप से कैल्शियम, सोडियम, क्लोरीन, फास्फोरस, लोहा, खनिज लवण, प्रोटीन, श्वेतसार, विटामिन 'ए' एवं 'सी' आदि उल्लेखनीय हैं। इन तत्वों में भी लोहा विशेष रूप से पाया जाता है।
- लौह तत्व मानव शरीर के लिए उपयोगी, महत्वपूर्ण, अनिवार्य होता है। लोहे के कारण ही शरीर के रक्त में स्थित रक्ताणुओं में रोग निरोधक क्षमता तथा रक्त में रक्तिमा (लालपन) आती है। लोहे की कमी के कारण ही रक्त में रक्ताणुओं की कमी होकर प्रायः पाण्डु रोग उत्पन्न हो जाता है।
- लौह तत्व की कमी से जो रक्ताल्पता अथवा रक्त में स्थित रक्तकणों की न्यूनता होती है, उसका तात्कालिक प्रभाव मुख पर विशेषतः ओष्ठ, नासिका, कपोल, कर्ण एवं नेत्र पर पड़ता है, जिससे मुख की रक्तिमा एवं कांति विलुप्त हो जाती है। कालान्तर में संपूर्ण शरीर भी इस विकृति से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता।
- लोहे की कमी से शक्ति ह्रास, शरीर निस्तेज होना, उत्साहहीनता, स्फूर्ति का अभाव, आलस्य, दुर्बलता, जठराग्नि की मंदता, अरुचि, यकृत आदि परेशानियां होती हैं।
- पालक की शाक वायुकारक, शीतल, कफ बढ़ाने वाली, मल का भेदन करने वाली, गुरु (भारी) विष्टम्भी (मलावरोध करने वाली) मद, श्वास,पित्त, रक्त विकार एवं ज्वर को दूर करने वाली होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार पालक की भाजी सामान्यतः रुचिकर और शीघ्र पचने वाली होती है। इसके बीज मृदु, विरेचक एवं शीतल होते हैं। ये कठिनाई से आने वाली श्वास, यकृत की सूजन और पाण्डु रोग की निवृत्ति हेतु उपयोग में लाए जाते हैं।
- गर्मी का नजला, सीने और फेफड़े की जलन में भी यह लाभप्रद है। यह पित्त की तेजी को शांत करती है, गर्मी की वजह से होने वाले पीलिया और खांसी में यह बहुत लाभदायक है।

रासायनिक विश्लेषण

पालक की शाक में एक तरह का क्षार पाया जाता है, जो शोरे के समान होता है, इसके अतिरिक्त इसमें मांसल पदार्थ 3.5 प्रतिशत, चर्बी व मांस तत्वरहित पदार्थ 5.5 प्रतिशत पाए जाते हैं।

पालक में लोहा काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त इसमें पाए जाने वाले तत्वों में कैल्शियम, सोडियम, क्लोरीन, फास्फोरस, खनिज लवण, प्रोटीन, श्वेतसोर आदि मुख्य हैं।

रेसिपी

वॉटरमेलन मॉकटेल

सामग्री

■ तरबूज- 2 कप (बीज निकालकर टुकड़ों में कटा) ■ पुदीने की पत्तियां- 5-7 ■ नींबू का रस- 1 बड़ा टीस्पून ■ आइस क्यूब- 4-5 ■ सोडा- (जरूरत अनुसार) ■ नींबू- 1 स्लाइस।

विधि

मिक्सर जार में कटा तरबूज, पुदीने की पत्तियां और नींबू का रस डालकर पीस लें। सर्विंग गिलास में आइस क्यूब्स डालें और ऊपर से तरबूज और पुदीने का मिक्सचर डालकर गिलास को आधा भर दें। ऊपर से सोडा और कुछ पुदीने की पत्तियां डालें। नींबू के स्लाइस को एक साइड से थोड़ा काट दें और गिलास के किनारों पर लगाकर ड्रिंक सर्व करें।

कुल्फी फालूदा

सामग्री

■ एक लीटर मलाई युक्त दूध ■ एक तिहाई टी-कप शक्कर ■ एक चौथाई टीस्पून पिसी छोटी इलायची ■ थोड़ी सी केसर ■ एक टेबलस्पून कॉर्नफ्लोर ■ 75 ग्राम कॉर्नफ्लोर ■ बर्फ के टुकड़े ■ पांच टेबलस्पून गुलाब का सिरप।

विधि

केसर कुल्फी के लिए एक छोटे बाउल में थोड़े से गरम दूध में केसर को भिगोइए और एक तरफ रख दीजिए। दो टेबलस्पून पानी में कॉर्नफ्लोर को घोलिए और एक तरफ रख दीजिए। एक चौड़े बर्तन में दूध डालिए और एक उफान के आने तक गरम कीजिए। कॉर्नफ्लोर का घोल और शक्कर डालिए और अच्छी तरह मिक्स कीजिए। मध्यम आंच पर लगातार चलाती रहिए, जब तक कि दूध की मात्रा घटकर प्रारंभिक मात्रा से आधी से थोड़ी कम नहीं रह जाती। पूरी तरह ठंडा कीजिए। फिर इलायची पाउडर और केसर का मिश्रण डालिए और अच्छी तरह से मिक्स कीजिए। कुल्फी के सांचों में डालिए और कुछ घंटे जमने के लिए रख दीजिए।

फालूदा की सेव के लिए: कॉर्नफ्लोर को 450 मिली. पानी में अच्छी तरह से मिक्स करके मुलायम घोल बनाइए। घोल को मंद आंच पर उबालिए। चलाते हुए पकाना जारी रखिए, जब तक कि घोल अर्द्ध पारदर्शी नहीं हो जाता। अब घोल को सेव के सांचे में डालिए और हाथ से दबाकर चलनी से होकर एक बर्तन में गिराइए, जो बहुत ठंडे पानी और बर्फ के टुकड़ों से भरा हो। इस फालूदा सेव को जब तक उपयोग में न लें, तब तक पानी में रखिए। कुल्फी को सांचे में से निकालने के लिए, इन सांचों को फ्रिज के बाहर कुछ देर तक रहने दीजिए। फिर लकड़ी की डंडी या कांटे को कुल्फी के मध्य में डालकर उसे खींचकर बाहर निकालिए। प्रत्येक परोसने के बर्तन में कुल्फी के टुकड़े रखकर, इसमें गुलाब का सिरप और थोड़े से फालूदा सेव डालिए और तुरंत परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

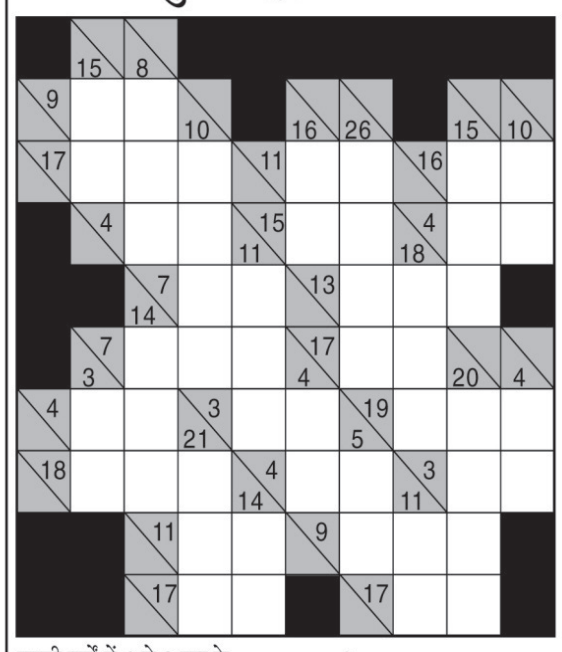

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

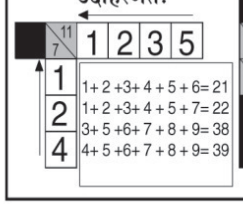

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

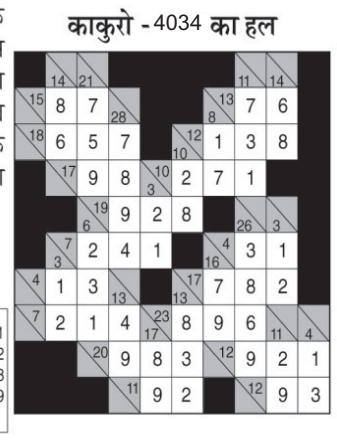

□ □ □

काकुरो पहेली - 4035

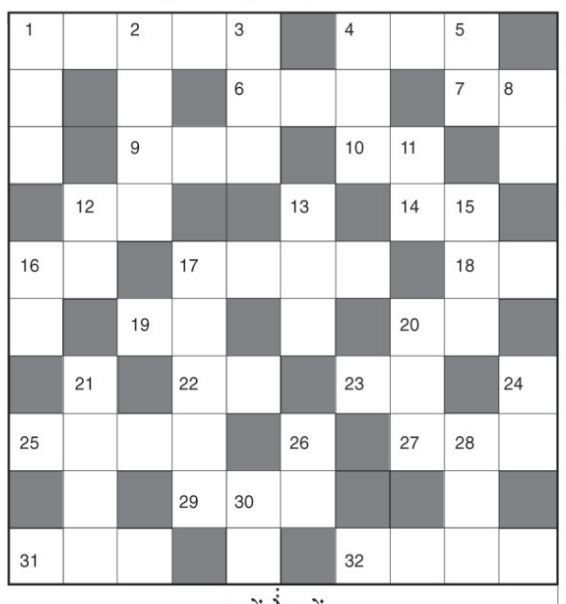

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -4034 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4035

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4034

सूडोकु 4035

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4034 हल

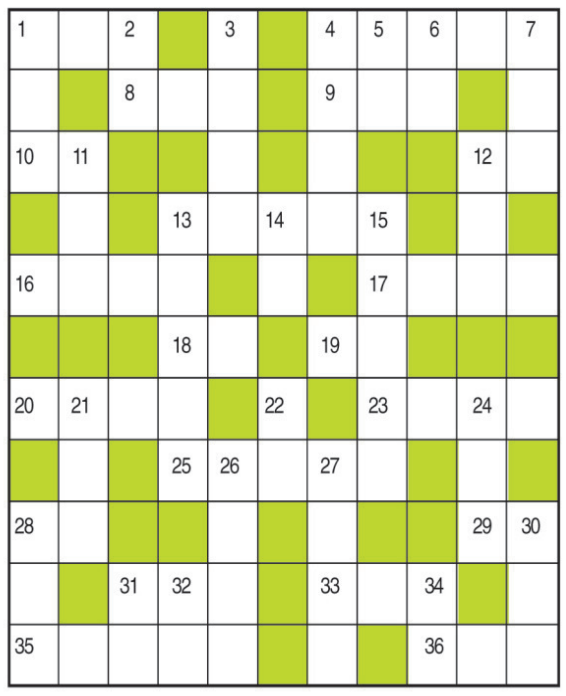

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली -4035

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली 4034 का हल

आप नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर अन्ना हजारे बोले- कुछ दिक्कतें आई होंगी, इसलिये वे चले गए

एजेंसी

अहिल्यानगर। आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने पार्टी का दामन छोड़ दिया। इस घटना को लेकर समाजसेवी अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया सामने आई है। समाजसेवी अन्ना हजारे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ये लोकतंत्र में हर एक व्यक्ति का अधिकार है। इसके लिए किसी पर सख्ती करना ठीक नहीं है। लोकतंत्र में उनको दिक्कतें आई होंगी, इसलिये वे चले गए। इसमें दोष पार्टी का है अगर पार्टी सही से चलती वे नहीं जाते। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि जब स्वार्थ बीच में आ जाता है तो समाज और देश भूल गए। सत्ता और पैसे के पीछे पड़ गए। इस वजह से गड़बड़ी हुई है।

पंजाब के सभी जिलों में ब्लैकआउट, मॉक ड्रिल से किया अभ्यास

चंडीगढ़। पंजाब में आपात स्थिति से निपटने के लिए रात ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। सभी जिलों में उपायुक्त तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मौके पर मौजूद रहे। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में यह अभ्यास किया गया। इसका अभ्यास एक एयर रेड चेतावनी सिग्नल के साथ शुरू हुआ। इस दौरान दो मिनट की अवधि के लिए हाई-लो पिच सायरन बजाए गए। इस अभ्यास के दौरान संबंधित डिप्टी कमिश्नर-कम-कंट्रोलर, सिविल डिफेंस द्वारा चिन्हित विशेष क्षेत्रों में एक सिम्युलेटेड ब्लैकआउट लागू गया। राज्य के सीमावर्ती जिलों गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर में मॉकड्रिल का प्रभावी असर देखने को मिला। यहां सीमावर्ती गांवों में लोगों ने स्वयं शाम साढे सात बजे ही लाइटें बंद कर दी। पंजाब के सभी जिलों में रात 8.15 बजे फिर से बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई। इसके बावजूद पुलिस की गाडिय़ों की गश्त जारी रही। आठ बजे के बाद 2 मिनट तक ऑल क्लियर का सायरन बजा और स्थिति नॉर्मल हो गई है। पंजाब के मोहाली में कर्मचारियों की लापरवाही के चलते समय से पहले ही सायरन बजा दिया गया और लाइटें बंद कर दी गई। जिस पर उपायुक्त कोमल मित्तल ने कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। मोहाली में हवाई हमले की सूरत में इमारत में बचे लोगों को बाहर निकाला गया। इस अफरा-तफरी में इमारत में आग लगने पर फायर ब्रिगेड की टीमों द्वारा तीन लोगों को बचाया गया।

मलंगिया महोत्सव भारतीय संस्कृति, कला परंपरा की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्तिः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पांच दिवसीय मलंगिया महोत्सव को भारतीय संस्कृति एवं कला परंपरा की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मैथिली जैसी भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विजेंद्र गुप्ता ने राजघाट स्थित गांधी दर्शन में आयोजित मलंगिया महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति उपाध्यक्ष विजय गोयल की। 24 से 28 अप्रैल तक आयोजित यह महोत्सव एक बड़े स्तर का अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं सांस्कृतिक आयोजन है। गुप्ता ने कहा कि यह महोत्सव, जिसमें डॉ. महेंद्र मलंगिया द्वारा लिखित 35 नाटकों का मंचन किया जा रहा है, भारतीय संस्कृति एवं कला परंपरा की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। इस महोत्सव में 22 भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 5,000 लेखक और रंगकर्मी भाग ले रहे हैं, जो इसे एक सच्चा राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच बनाता है। इस महोत्सव का विशाल स्वरूप इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने योग्य बनाता है और इसे विश्व रिकॉर्ड में शामिल किए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

केशव कुंज में 29 अप्रैल को होगा 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नाटक का 100वां मंचन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिल्ली के संघ कार्यालय 'केशव कुंज' में 29 अप्रैल को 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नामक हिंदी नाटक का मंचन किया जाएगा। नाटक के निर्देशक संजय पेंडसे और निर्माता सारिका पेंडसे ने बताया कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 30 अप्रैल 2025 से पूरे देश में इस नाटक का मंचन किया जा रहा है, जिसका 100वां मंचन दिल्ली के संघ कार्यालय में 29 अप्रैल 2026 को शाम को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शतकीय मंचन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नाटक संघ के प्रथम तीन सरसंघचालकों- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) और बालासाहेब देवरस के जीवन एवं उनके योगदान पर आधारित है।

अखिलेश यादव अपने कार्यकर्तओं को सिखाएं अनुशासन व संस्कारः गीता शाक्य

एजेंसी

झांसी। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने महिलाओं के मुद्दों पर भाजपा की प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ ही विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी और डिंपल यादव ने महिलाओं के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं में संस्कार गढ़ने की सलाह दी।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद गीता शाक्य यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से ही स्वच्छता अभियान से लेकर नारी सशक्तिकरण तक, केंद्र सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि

भाजपा ने कभी भेदभाव नहीं किया और मुस्लिम महिलाओं के हित में तीन तलाक के खिलाफ कठोर कानून बनाकर उन्हें न्याय दिलाया। सितंबर 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन बिल को उन्होंने देश की महिलाओं को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के दौरान कांग्रेस की नेताप्रियंका गांधी और सपा की नेता डिंपल यादव ने महिलाओं के हितों के खिलाफ काम किया। प्रियंका और डिंपल का कृत्य विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2029 तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।लखनऊ की मेयर के घर पर हमले को लेकर भी गीता शाक्य ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपने कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रखना चाहिए। मेयर के घर पर हमला और नेम प्लेट पर चप्पल मारना अस्वीकार्य है और यह राजनीतिक संस्कारों की कमी को दर्शाता है। पत्रकार वार्ता में झांसी-ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा ने भी विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि इन पार्टियों का इतिहास महिला आरक्षण के विरोध से जुड़ा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पहले भी इस बिल को फाड़ा गया था और समर्थन नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक बदलाव जरूरी है और देश की मातृशक्ति विपक्ष के रवैये को भूलेगी नहीं। इस अवसर पर उनके साथ एमएलसी रमा निरंजन, विधायक जवाहरलाल राजपूत, जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, महिला महानगर अध्यक्ष सुमन पुरोहित, मीडिया प्रभारी प्रियांशु डे,गुड्डी रानी पटेल, दीपक त्रिपाठी, राशि साहू, शीतल कुशवाहा और अपर्णा दुबे आदि तमाम महिलाएं उपस्थित रहीं।

छत्तीसगढ़ के बस्तर-धमतरी में विदेशी फडिंग, अमेरिका से भेजे गए 6.5 करोड़ रुपये

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में विदेशी फंडिंग के इस्तेमाल को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में सामने आया है कि अमेरिकी एजेंसी की ओर से जारी करीब 6.5 करोड़ रुपये बस्तर और धमतरी जिले में अवैध रूप से खपाए गए।

ईडी ने नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय से यह बयान जारी किया। ईडी ने इस मामले में 18 और 19 अप्रैल को देश के विभिन्न राज्यों में 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें छत्तीसगढ़ के अलावा असम जैसे राज्य भी शामिल थे। जिसमें 25 विदेशी डेबिट कार्ड, 40 लाख रुपये नकद, और आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य व दस्तावेज़ जब्त किए गए। इस दौरान जांच एजेंसी को कई अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हाथ लगे थे। जांच में यह मामला द टिमोथी इनिशिएटिव (टीटीआई) नामक संगठन और उससे जुड़े लोगों से संबंधित पाया गया। 'द टिमोथी इनिशिएटिव' नामक एक विदेशी ईसाई मिशनरी संस्था भारत में पंजीकृत नहीं है। जांच में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर और धमतरी जिलों को उन क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया है जहां पिछले कुछ वर्षों के दौरान संदिग्ध रूप से नकदी निकाली गई है। यह खुलासा मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की जांच के दौरान हुआ है। ईडी के मुताबिक विदेशी बैंक डेबिट कार्ड के जरिए भारत में बड़ी मात्रा में कैश निकाला जा रहा था और इस पैसे का इस्तेमाल संदिग्ध गतिविधियों में किया जा रहा था। मामले में कार्रवाई करते हुए मीका मार्क नामक व्यक्ति को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया गया।

पंचायती राज संस्थाएं राजीव गांधी की देनः कांग्रेस सांसद जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी ने 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' मनाया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा गांव में जमीनी स्तर के लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए कुछ ऐतिहासिक कानूनों को याद किया। 1993 में आज ही के दिन संविधान के 73वें संशोधन का राजीव गांधी को श्रेय देते हुए कांग्रेस सांसद और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, 'यह वास्तव में एक परिवर्तनकारी पहल थी, जो पूरी तरह से राजीव गांधी के आग्रह और दृढ़ता का परिणाम थी। '

उन्होंने कहा कि यह उन्हीं की बदौलत संभव हो पाया कि पंचायती राज संस्थाओं में चुनी गई सीटों में से एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, जिनमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित महिलाएं भी शामिल हैं।

जयराम रमेश ने आगे कहा, 'यह पूरी तरह से उनका योगदान था कि आज पंचायती राज संस्थाओं में लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं, जिनमें से लगभग 15 लाख

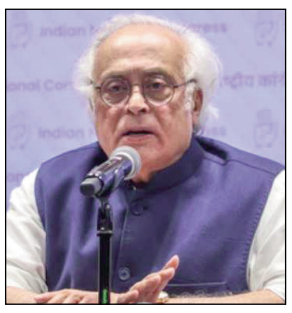

महिलाएं हैं। यह संशोधन (64वां) मूल रूप से 1989 के मध्य में पेश किया गया था, लेकिन लोकसभा में पारित होने के बाद, भाजपा के विरोध के कारण यह राज्यसभा में पारित नहीं हो सका। ' पंचायती राज संस्थाओं को बढ़ावा देने में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'यह डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ही थी जिसने मई 2004 में पंचायती राज मंत्रालय का गठन किया और फरवरी 2006 में ऐतिहासिक मनरेगा की शुरुआत की, जिसने ग्राम पंचायतों को योजना बनाने और उसे लागू करने में एक अहम भूमिका सौंपी। '

जयराम रमेश ने कहा कि राजीव गांधी सरकार द्वारा लाया गया 73वां संशोधन, संविधान में अनुच्छेद 243-ए से 243-ओ तक अत्यंत विस्तृत प्रावधान लेकर आया, जिसका उद्देश्य पंचायतों को व्यापक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें हमारी राजव्यवस्था की नींव बनाना था। आज लगभग 2.6 लाख ग्राम पंचायतें, 6,700 से अधिक मध्यवर्ती पंचायतें और 673 जिला परिषदें हैं। महिलाओं के लिए आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक की हालिया हार की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए रमेश ने कहा, 'पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाना, लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाने से कहीं अधिक जरूरी है।

टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार सांसद राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । पटियाला हाउस कोर्ट ने टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार बारामूला के सांसद राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने अस्पताल में भर्ती अपने बीमार पिता से मिलने के लिए एक महीने की अंतरिम जमानत मांगी थी। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा था कि राशिद इंजीनियर के पिता वेंटिलेटर पर हैं, इसलिए उन्हें जल्द अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। राशिद के वकील ने आरोप लगाया था कि उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक है। चुनाव के समय उन्हें अंतरिम जमानत मिल जाती है, लेकिन पिता की हालत खराब है और एनआईए इसका विरोध कर रही है। एनआईए ने राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत का विरोध किया। जांच एजेंसी ने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह सांसद को सिर्फ कस्टडी पैरोल देने के लिए तैयार है। एनआईए के वकील ने कहा कि कस्टडी पैरोल में राशिद अपने पिता और परिवार से मिल सकते हैं।

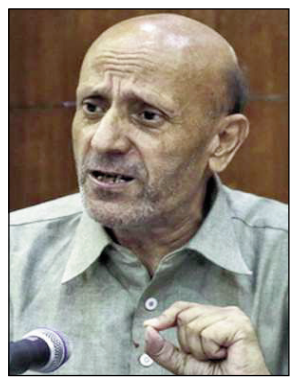

पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब दो दिन बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया। इससे पहले राशिद इंजीनियर को संसद के बजट सत्र में हिस्सा लेने के लिए कस्टडी पैरोल दी गई थी। राशिद को उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने की कोर्ट से अनुमति मिली थी। कोर्ट ने यह शर्त रखी कि राशिद को वोट डालने के लिए संसद जाने का खर्च स्वयं वहन करना होगा। इसके लिए उन्हें एक हलफनामा देकर वचन देना होगा, हालांकि तत्काल कोई भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह खर्च राशिद को तब चुकाना होगा, जब दिल्ली हाईकोर्ट उनकी यात्रा व्यय से संबंधित लंबित अर्जी पर फैसला सुनाएगा। संसद में बारामूला का प्रतिनिधित्व करने वाले राशिद इंजीनियर को 2017 के आतंकी फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत एनआईए ने गिरफ्तार किया था। वे 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में राशिद ने उत्तरी कश्मीर की बारामूला सीट से उमर अब्दुल्ला को 2 लाख से अधिक वोटों से हराया था।

दिल्ली में मॉनसून की तैयारी तेज, नालों की डी-सिल्टिंग का काम 57 फीसद पूरा : प्रवेश साहिब सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। मॉनसून के मद्देनजर दिल्ली में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। शहर के प्रमुख नालों की डी-सिल्टिंग का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और विभाग अब तक अपने कुल लक्ष्य का 57 फीसद से अधिक पूरा कर चुका है। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि हमारा फोकस इस बार जमीनी स्तर पर काम के निष्पादन और जवाबदेही पर है। मॉनसून से पहले हर महत्वपूर्ण नाले की सफाई और कार्यक्षमता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हर स्तर पर काम की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने मैन पावर और मशीनरी दोनों को मजबूत किया है। विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि निकाले गए सिल्ट का सही तरीके से निस्तारण किया जाए, ताकि वह दोबारा नालों में न लौटे-जो पिछले वर्षों में एक बड़ी समस्या रही है।

नियमित निरीक्षण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जा रही हैं। डी-सिल्टिंग का बड़ा हिस्सा पूरा होने और आधुनिक मशीनों की तैनाती के साथ, विभाग का लक्ष्य है कि मॉनसून के चरम से पहले सभी कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि राजधानी को हर साल होने वाली जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। मंत्री ने बताया कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 76 नालों पर चल रहे डी-सिल्टिंग कार्य में अब तक 57.68 फीसद प्रगति हासिल की गई है। कुल 28.57 लाख घन मीटर सिल्ट हटाने के लक्ष्य के मुकाबले 16.48 लाख घन मीटर से अधिक सिल्ट हटाया जा चुका है। महत्वपूर्ण नालों पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। 21 प्राथमिकता वाले नालों में 76 फीसद से अधिक कार्य पूरा हो चुका है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ये क्षेत्र मॉनसून से पहले लगभग तैयार हो जाएंगे। वहीं, दिल्ली के सबसे संवेदनशील जलभराव क्षेत्रों में शामिल नजफगढ़ ड्रेन सिस्टम में लगभग 48 फीसद काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा बाकी 55 नालों पर भी कार्य 63 फीसद से अधिक तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि मैदान में तैनात अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष काम को अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। अलग-अलग जोनों में एक साथ काम चल रहा है, जिससे अंतिम समय की हड़बड़ी से बचा जा सके। पिछले वर्षों में चिन्हित जलभराव वाले संवेदनशील स्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि पानी का बहाव सुचारू बना रहे।

केदारनाथ हेली शटल सेवा की ऑनलाइन बुकिंग पूर्ण, 31 हजार से अधिक सीटें भरीं

एजेंसी

देहरादून। केदारनाथ धाम के लिए संचालित हेली शटल सेवा की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई है। निर्धारित अवधि के लिए उपलब्ध 31 हजार से अधिक सीटों की बुकिंग समय रहते पूरी कर ली गई। राज्य सरकार की ओर जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को सायं 6 बजे हेली सेवा के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू की गई थी, जो 22 अप्रैल से 15 जून 2026 की अवधि के लिए थी। इस दौरान कुल 31,450 सीटों की बुकिंग खोली गई, जिन्हें 10,855 टिकटों के माध्यम से पूरी तरह भर लिया गया।

बुकिंग प्रक्रिया के दौरान पहला टिकट सायं 6:02 बजे और अंतिम टिकट 7:28 बजे बुक किया गया। सायं 6:10 बजे से 6:32 बजे के बीच सर्वाधिक बुकिंग दर्ज की गई, जिससे इस अवधि में उच्च मांग का संकेत मिला। उत्तराखंड पर्यटन विभाग की ओर से बुकिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कॉल सेंटर के माध्यम से 565 रैंडम सत्यापन कॉल की गईं। जांच में पाया गया कि कुल 10,859 मोबाइल नंबरों में से 4,400 नंबर वास्तविक यात्रियों से मेल खाते हैं। लगभग 51 प्रतिशत बुकिंग यात्रियों ने स्वयं की, जबकि शेष 49 प्रतिशत बुकिंग अन्य माध्यमों से संपन्न हुई। राज्यवार आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र से सर्वाधिक 1,708 बुकिंग दर्ज की गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1,243), दिल्ली (867), तेलंगाना (864), कर्नाटक (801) और गुजरात (700) का स्थान रहा। बुकिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रति यूज़र अधिकतम 2 बुकिंग और अधिकतम 12 सीटों की सीमा निर्धारित की गई थी।

बीकेटीसी अध्यक्ष ने बद्रीनाथ धाम मे यात्रा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

एजेंसी

बद्रीनाथ। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कपाट खुलने के दूसरे दिन श्री बदरीनाथ धाम में यात्रा व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दर्शन पंक्ति, पूजा काउंटरों, श्रद्धालुओं की सुविधा केंद्रों तथा बीकेटीसी कार्यालय का जायजा लेकर तीर्थयात्रियों से भी फीडबैक लिया और संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और अधिक सुचारु एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीकेटीसी अध्यक्ष ने श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए कतार प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था सीसीटीवी मानिटरिंग और साफ-सफाई पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने पूजा काउंटरों पर पारदर्शिता और तीर्थयात्रियों को त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही बीकेटीसी कार्यालय में कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष द्विवेदी ने अधिकारियों से कहा कि बदरीनाथ धाम में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम, सुरक्षित और आध्यात्मिक अनुभव

मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था या असुविधा की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ धाम में कपाट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। कहा कि सभी यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन की सुविधा मिले। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। निरीक्षण के उपरांत हेमंत द्विवेदी श्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो गए, जहां वे यात्रा व्यवस्थाओं का स्थल निरीक्षण करेंगे। इस दौरान बीकेटीसी सदस्य महेन्द्र शर्मा सहित प्रभारी अधिकारी गिरीश चौहान, अधिशासी अभियंता विपिन तिवारी आदि मौजूद रहे।

ज्ञानेश कुमार को सीईसी के पद से हटाने के लिए विपक्ष ने फिर दिया नोटिस

नई दिल्ली। विपक्ष के 73 सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश करने का प्रस्ताव राज्यसभा में लाने के लिए नोटिस दिया है। राज्यसभा के महासचिव को प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है जिसमें ज्ञानेश कुमार पर कदाचार के आरोप लगाए गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा कि 15 मार्च 2026 के बाद की घटनाओं और निर्णयों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के प्रावधानों के साथ-साथ चुनाव आयुक्त तथा न्यायाधीशों से जुड़े कानूनों के तहत लाया गया है। रमेश ने कहा कि विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप विस्तृत रूप से दर्ज कराये हैं। इन्हें नकारा नहीं जा सकता। इसके तहत ज्ञानेश कुमार का पद पर बने रहना संविधान की मर्यादा के विरुद्ध है। उनका कार्य निष्पक्ष नहीं रहा और वे सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं।

हरियाणा में दो सफाईकर्मियों की मौत को लेकर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र स्थित अंबेडकर चौक पर सीवर लाइन की सफाई के दौरान जहरीली गैसों के कारण दो सफाईकर्मियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। आयोग ने नूंह नगर आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

आयोग ने रिपोर्ट में जांच की स्थिति, घायल व्यक्ति का स्वास्थ्य और उसे तथा मृतक के परिजनों को दिए जाने वाले मुआवजे का विवरण शामिल करने का आग्रह किया है। आयोग ने चिंता व्यक्त की है कि उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के बावजूद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हुई है, जिसमें सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरणों के साथ सीवर लाइनों की मशीनीकृत सफाई पर जोर दिया गया है। आयोग के मुताबिक तीन श्रमिकों में से एक

सबसे पहले सीवर लाइन में उतरा और बेहोश हो गया। उसकी मदद करने के लिए जब अन्य लोग सीवर में उतरे तो वे भी बेहोश हो गए। उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) की ओर से नियुक्त ठेकेदार ने बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर लाइन की सफाई के लिए तीन कर्मचारियों को तैनात किया था।

झाबुआ में महिला के साथ अमानवीय व्यवहार पर एनएचआरसी का डीएम-एसपी को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में एक महिला और उसके पति के साथ कथित अमानवीय व्यवहार के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में ग्रामीणों द्वारा महिला के बाल मुंडवाकर उसे और उसके पति को कंधों पर उठाकर घुमाने की घटना सामने आने के बाद आयोग ने इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन माना है। आयोग ने झाबुआ के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही पाई जाती है, तो यह मानव गरिमा और मौलिक अधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। आयोग के अनुसार, 15 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 13 अप्रैल 2026 को ग्रामीणों ने एक महिला के बाल मुंडवाकर उसे और उसके पति को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। दोनों को कंधों पर उठाकर पूरे गांव में घुमाया गया। ग्रामीणों का आरोप था कि महिला घर छोड़कर भाग गई थी।

पारंपरिक कला केवल एक विरासत नहीं, एक राष्ट्रीय धरोहर हैः नीलम राव

नई दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने कहा कि पारंपरिक कला एक राष्ट्रीय धरोहर है, जिसे हम वैश्विक मंच के लिए गतिशील बना रहे हैं। नीलम राव ने यह बात आज नई दिल्ली के जवाहर व्यापार भवन स्थित केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम (सीसीआईसी) में सोल श्रेड्स नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन पर कही। यह डिजिटल-संचालित लग्जरी हेरिटेज ब्रांड' के रूप में पेश करने की एक नई पहल है। इस नये मॉडल को समर्थ 2.0 का नाम दिया गया है। यह कलेक्शन भारत की पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिजाइन का एक अनूठा संगम है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय शिल्प, विरासत को बढ़ावा देना और देश के पारंपरिक शिल्पकारों तथा उनकी विरासत को एक बड़ा मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा, पारंपरिक कला केवल एक विरासत नहीं है बल्कि एक ऐसी राष्ट्रीय धरोहर है जिसे हम वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निरंतर गतिशील कर रहे हैं।

सीसीआईसी के अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने कहा कि इस नए मॉडल का मुख्य उद्देश्य भारतीय शिल्पकारों और बुनकरों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाना है। संस्थान का लक्ष्य इन कलाकारों को एक बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। ताकि उनके उत्पाद वैश्विक स्तर तक पहुँच सकें। समारोह का मुख्य आकर्षण 'द रनवे शोकेस' रहा, जहां निफ्ट और शिल्पकारों के बीच हुए अनूठे सहयोग को प्रदर्शित किया गया। डॉ. सुधा ढींगरा द्वारा क्यूरेट किए गए इस सेगमेंट में पारंपरिक करघों और आधुनिक वार्डरोब के बीच के अंतर को पाटते हुए शानदार परिधान पेश किए गए। कार्यक्रम के समापन सत्र में पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ फैशन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उद्घाटन समारोह में पहले दिन कलेक्शन की झलक दिखाई गई, जिसके बाद हेरिटेज डिज़ाइनर कलेक्शन का फैशन शो प्रस्तुत किया गया। यह कलेक्शन भारत की समृद्ध स्वदेशी वस्त्र परंपराओं से प्रेरित था, जिसे समकालीन सौंदर्यशास्त्र के अनुरूप नया रूप दिया गया। इस कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शामिल थीं, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत की विविधता और समृद्धि को दर्शाती हैं। यह विशेष प्रदर्शनी 24 अप्रैल से 10 मई 2026 तक चलेगी। जिसका समय आगुन्तकों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। इस प्रदर्शनी में भारत की बेहतरीन हस्तशिल्प कृतियों की एक शानदार श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें विशेष रूप से चुनी गई साड़ियां, डिजाइनर परिधान, हस्तनिर्मित आभूषण और घरेलू साज-सज्जा की वस्तुएं शामिल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स नहीं तोड़ पाई पंजाब किंग्स का तिलिस्म, श्रेयस अय्यर की टीम ने रचा इतिहास, सबसे बड़ी रन चेज को दिया अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स पंजाब किंग्स का तिलिस्म नहीं तोड़ पाई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली के खिलाफ 265 रनों का टारगेट हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब कि टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट चेज करने वाली टीम बन गई है। इस दौरान पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने धमाकेदार पारी खेली।

इस दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो अय्यर ने 36 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में कुल 529 रन बने जो आईपीएल इतिहास में एक मैच में दोनों टीमों द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने 152 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को 264 के स्कोर तक पहुंचाया। ये राहुल के आईपीएल करियर का छठा शतक था। राहुल आईपीएल के इतिहास में बतौर भारतीय 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। वहीं दूसरी तरफ नीतिश राणा का दिल टूटा। वह शतक के करीब पहुंचे, मगर पूरा नहीं कर पाए। राणा 91 के निजी स्कोर पर आउट हुए।

DC vs PBKS मैच के दौरान बड़ा हादसा, लुंगी एनगिडी सिर के बल बुरी तरह गिरे, मैदान पर बुलानी पड़ी एम्बुलेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ कैच लेते समय लुंगी एनगिडी सिर पर जोरदार गिर पड़े जिस कारण माहौल गंभीर हो गया और एनगिडी को अस्पताल ले जाने के लिए मैदान पर एम्बुलेंस बुलानी पड़ गई।

पंजाब किंग्स जब 265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 2.3 ओवर में कैच लेने की कोशिश में एनगिडी बुरी तरह गिर पड़े। एनगिडी ने प्रियांश आर्य के बल्ले से निकली एक ऊंची गेंद को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह गेंद का अंदाजा ठीक से नहीं लगा पाए और जमीन पर गिर पड़े; उनके सिर का पिछला हिस्सा जोर से जमीन पर लगा।

गिरने की गंभीरता तुरंत बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ उनकी ओर दौड़ पड़े; इस घटना से कई लोग साफ तौर पर घबराए हुए दिख रहे थे। कुलदीप यादव, डेविड मिलर और अन्य खिलाड़ी पास ही खड़े थे और उनके चेहरों पर चिंता साफ झलक रही थी, जबकि फिजियो इस दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज का इलाज करने के लिए दौड़ते हुए मैदान पर पहुंचे।

मेडिकल स्टाफ ने तुरंत एनगिडी के गले में नेक ब्रेस (गले का पट्टा) पहना दिया, और मैदान पर स्ट्रेचर लाया गया; इसके तुरंत बाद एक एम्बुलेंस भी आ गई, जो चोट की गंभीरता का साफ संकेत था। एक शुरुआती सकारात्मक संकेत के तौर पर, लाइव विजुअल्स में एनगिडी इलाज के दौरान डॉक्टरों से बात करते हुए दिखे, जबकि सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही थीं।

जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही थी, पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर आ गए, जबकि दुश्मंथा चमीरा संभावित %कनकशन सब्स्टीट्यूट% (चोट लगने पर बदलने वाले खिलाड़ी) के तौर पर वार्म-अप करने लगे। मैदान के बीच में कई तनावपूर्ण मिनटों के बाद एनगिडी को सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर लेटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया और आगे की मेडिकल जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल भेजा गया।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं।

अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात मैचों में कुल 323 रन बनाए हैं, जिसमें उनकी सबसे बड़ी और विस्फोटक पारी 135 रनों की रही थी, जो उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए पिछले ही मैच में बनाई थी। इस दमदार प्रदर्शन के साथ वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वृंदावन में हुई इस मामूली लेकिन असहज घटना ने निश्चित रूप से उन्हें कुछ देर के लिए परेशान किया होगा, लेकिन उम्मीद है कि इसका असर उनके शानदार खेल पर नहीं पड़ेगा। यह घटना दर्शाती है कि आम लोगों की तरह ही खिलाड़ी भी ऐसी परेशानियों का सामना करते हैं।

आईपीएल 2026: पंत और रहाणे के बीच करो या मरो की जंग

-प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए जीतना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का घमासान जारी है और इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स तथा कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि कप्तानों के धैर्य और नेतृत्व क्षमता की असली परीक्षा बन गया है। दोनों ही टीमों के कप्तान, ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे, अपनी-अपनी टीमों के निराशाजनक प्रदर्शन के चलते भारी दबाव में हैं। यह भिड़ंत दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए करो या मरो का युद्ध साबित होगी, जहाँ एक हार उन्हें टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीज़न में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन ने अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा था, लेकिन इस सीज़न में भी टीम अपेक्षित लय हासिल करने में नाकाम रही है। उन्हें अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए सात मैच खेलने पड़े, और वह भी टीम के सामूहिक प्रयास के बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी की बदौलत ही संभव हो पाई थी। टीम की तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में साफ तौर पर कमजोरी दिखाई दे रही है, जिससे विरोधी बल्लेबाज आसानी से रन बटोर रहे हैं। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, और लगातार प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने से टीम का संतुलन बिगड़ गया है। अजिंक्य रहाणे ने व्यक्तिगत रूप से कुछ मैचों में रन अवश्य बनाए हैं, लेकिन टी20 प्रारूप के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है, जो टीम को तेज शुरुआत देने में बाधा डालती है। लगभग 38 वर्ष की आयु को देखते हुए, इस तेज-तर्रार फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी की जिम्मेदारियां निभाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है, और उनके फैसलों पर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। टीम ने अब तक खेले गए मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा उन पर लगातार मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल पूरी तरह से तोड़ दिया है और वे आत्मविश्वास की कमी से जूझते दिख रहे हैं। कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, जो टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की एक अच्छी पारी खेलने के बाद, पंत अगली पांच पारियों में सिर्फ 72 रन ही बना पाए हैं, जो उनकी क्षमता से बहुत कम है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वे मात्र तीन गेंदों का सामना कर शून्य पर आउट हो गए थे, जिससे उनकी आलोचना में और भी इजाफा हुआ है। लखनऊ का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी बेहद खराब रहा है; पिछले सीज़न में उन्होंने 8 में से 6 मैच गंवाए थे, और इस सीज़न में भी वे 3 मैच हार चुके हैं। कुल मिलाकर, 24 मैचों में उन्हें केवल 9 जीत मिली हैं, जो घरेलू लाभ न उठा पाने की कहानी कहती है। निकोलस पूरन और एडेन मार्करम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी और संतुलन दोनों प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक अच्छी खबर यह है कि श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से उनकी गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी सटीक यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है, जो आखिरी ओवरों में रन रोकने में मददगार होगी। इन दोनों कप्तानों के रिकॉर्ड भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को बखूबी दर्शाते हैं- अजिंक्य रहाणे ने केके आर के लिए 20 मैचों में 6 जीत और 12 हार देखी हैं, जबकि ऋषभ पंत ने एलएसजी के लिए 21 मैचों में 8 जीत और 13 हार का सामना किया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों ही कप्तानों को न सिर्फ अपनी टीमों को जीत की राह पर लाना होगा, बल्कि अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन से भी मिसाल कायम करनी होगी, वरना उनके कप्तानी करियर पर तलवार लटक सकती है।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट से पहले पाकिस्तान दौरे पर जाएंगी जिम्बाब्वे

हरारे । 12 जुलाई से इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जिम्बाब्वे की टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। यह पहली बार होगा जब जिम्बाब्वे की महिला टीम पाक का दौरा करेगी। इसे दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में एक नया दौर शुरु होगा। इस दौरे से जहां दोनो टीमों को अभ्यास का अवसर मिलेगा। वहीं महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी इससे सहयोग मिलेगा।इस दौरे में जिम्बाब्वे तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और इतने ही टीम 20 मुकाबले खेलेगी। सभी मैच पाकिस्तान के कराची स्थित प्रतिष्ठित नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे। कार्यक्रम के अनुसार, जिम्बाब्वे की टीम 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद, 3 मई से एकदिवसीय मैचों के साथ दौरे की आधिकारिक शुरुआत होगी। एकदिवसीय सीरीज के बाद, 12 मई से तीन मैचों की टी-20 सीरीज शुरु होगी। इससे दोनो ही टीमों को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी क्षमताओं को आंकने का अवसर मिलेगा। पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाक टीम के लिए भी यह सीरीज तैयारी के लिहाज से बेहद अहम रहेगा। जो 12 जून से शुरु होगी। घरेलू हालातों में एक अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलना, टीम को अपनी रणनीति को परखने, विभिन्न खिलाड़ियों को आजमाने और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी लय हासिल करने का बेहतरीन अवसर होता है।

आरसीबी ने लगाई अंक तालिका में छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 34वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से मात देकर अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाई है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली की 81 और देवदत्त पडिक्कल की 55 रन की शानदार पारियां गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं। गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 206 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य को आरसीबी ने 18.5 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। कोहली और पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी इस जीत का मुख्य कारण बनी। इस जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जिससे प्लेऑफ की दौड़ और भी रोमांचक हो गई है। रन चेज के उस्ताद विराट कोहली ने जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। गुजरात के बल्लेबाजों ने पहली पारी में काफी संभलकर रन बनाए थे, लेकिन कोहली ने पिच की उछाल और गति को बखूबी समझा। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाजों का आसानी से सामना किया और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस जीत के साथ आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को नेट रन रेट के आधार पर पीछे छोड़ते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा चैंपियन टीम ने अब सात मैचों में पांच जीत दर्ज कर ली हैं और वे सीजन के महत्वपूर्ण दौर में मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। अंक तालिका की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो श्रेयस अय्यर की टीम पंजाब किंग्स 6 मैच खेलकर 5 जीत और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के दम पर 11 अंकों के साथ टॉप पोजिशन पर काबिज है। गुजरात को हराने के बाद, नेट रन रेट में सुधार के चलते आरसीबी 7 मैचों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ चुकी है। तीसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है, जिनके पास भी 7 मैच खेलने के बाद 5 जीत से 10 अंक हैं। इस मुकाबले में अपनी शानदार पारी के दम पर विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। इतने ही मुकाबले के बाद 4 जीत से 8 अंक लेकर सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 3 जीत हासिल करने के बाद पांचवें स्थान पर है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं।

स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-ऑफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया। उन्होंने मैदान से जाने में देरी की और फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया, जो अंपायर के निर्णय पर सवाल उठाने के समान है।

मैच अधिकारियों ने इन उल्लंघनों को गंभीरता से लिया। आरोप ऑन-फील्ड अंपायरों एलोइस शेरिडन और रोकैया सुल्ताना, तीसरे अंपायर डॉली रानी सरकार और चौथे अंपायर शथिरा जाकिर जेसी द्वारा लगाए गए थे। एक औपचारिक सुनवाई से बचने के लिए, नाहिदा और शर्मिन दोनों ने अपने अपराधों को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को भी स्वीकार कर लिया। आईसीसी इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करता है, क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित करता है और खेल की छवि को धूमिल करता है। यह घटनाएँ खिलाड़ियों को मैदान पर अपने आचरण के प्रति अधिक सचेत रहने की याद दिलाती हैं।

आरसीबी आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी : बोबाट

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने कहा है कि उनकी टीम इस सत्र में आगे भी आक्रामक रणनीति से ही खेलती रहेगी। बोबाट ने कहा कि कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम जिस प्रकार से आगे बढ़ रही है उससे हम सभी उत्साहित हैं। कप्तान टीम की सभी योजनाओं को बेहतर तरीके से अमल में लाने में सफल हुए हैं। बोबाट ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं और इसी कारण टीम को आगे भी सफल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि हम आक्रामक क्रिकेट ही खेलते रहो मैं चाहता हूं कि हम साहसी बनें। बोबाट ने विशेष रूप से उन अवसरों पर ध्यान देने को कहा है जब साहस की सबसे अधिक जरुरत होती है। उनके अनुसार, ऐसे मौकों पर साहसी बनें जब सच में हिम्मत की जरूरत हो। जब मैच दांव पर लगा हो या हालात थोड़े कठि हो जाएं, अगर हम हर दौर में आक्रामक और साहसी बने रहें तो मुझे लगता है कि हम वैसा ही खेलेंगे जैसा हम खेलना चाहते हैं। यह टीम को हर प्रकार के हालातों में चाहे वह दबाव भरे हो या चुनौतीपूर्ण, अपनी स्वाभाविक आक्रामक शैली से न हटने को प्रेरित करता है। बोबाट ने पाटीदार को इस आक्रामक सोच का एक प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पाटीदार टीम की रणनीति पर बने रहे हैं और मैदान पर लगातार आक्रामक तरीके से फैसले लेते रहे हैं। उन्होंनें कहा, हम अपनी रणनीति में आक्रामक तरीकों को प्राथमिकता देते हैं पर मैदान पर रजत को अपने फैसले स्वयं लेते हैं और वह इसमें काफी कुशल हो गये हैं। । पाटीदार की सबसे बड़ी खासियत उनका शांत स्वभाव है जिससे उनपर दबाव नहीं पड़ता है।। जब हालात थोड़े मुश्किल हो जाते हैं तो वह शांत रहने और अपनी सोची हुई योजनाओं पर टिके रहते हैं। बोबाट ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में पाटीदार का यह शांत और आक्रामक स्वभाव उन्हें आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने में बहुत अच्छा बनाता है।

विराट कोहली ने अभिषेक शर्मा से छीनी ऑरेंज कैप, आईपीएल 2026 में बने नंबर वन बल्लेबाज

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर है, और हर गुजरते मैच के साथ ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और भी दिलचस्प होती जा रही है। टूर्नामेंट के 34वें मुकाबले में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें आमने-सामने उतरीं, तो किसी ने नहीं सोचा था कि एक ही मैच के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में इतना बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा। इस मैच में विराट कोहली के बल्ले से निकली आतिशी पारी ने न केवल बेंगलुरु को एक महत्वपूर्ण जीत दिलाई, बल्कि किंग कोहली को एक बार फिर रनों के शिखर पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिससे उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। इस मैच के बाद आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप लिस्ट पूरी तरह बदल गई है। मैच से पहले जो विराट कोहली टॉप-5 से बाहर थे, अब वह सीधे पहले पायदान पर पहुंच गए हैं। विराट ने इस सीजन में अब तक 7 मैचों में 328 रन बना लिए हैं और वह फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट के ठीक पीछे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का नाम है। अभिषेक ने भी इस सीजन में अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है और वह 7 मैचों में 323 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। उनके ही साथी और हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 7 मैचों में 320 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। हैदराबाद के इन दो बल्लेबाजों और विराट कोहली के बीच रनों का अंतर बहुत कम है, जिससे आने वाले मैचों में यह जंग और भी रोचक होने वाली है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 6 मैचों में 297 रनों के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन 7 मैचों में 293 रनों के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गए हैं।

श्रीलंका को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खिताबी दावेदार बनाना है लक्ष्य : कर्स्टन

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने अपना पद संभाल लिया है और श्रीलंकाई टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए तैयार करने की योजना भी बना ली है। कर्स्टन का कहना है कि वह एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है, जो खिताब की दौड़ में एक प्रमुख दावेदार के तौर पर सामने आये। कर्स्टन ने टीम को बेहतर बनाने की अपनी रणनीति की जानकारी देते हुए कहा, हम सभी प्रारुप में टीम से बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं क्योंकि आने वाले समय में विश्वकप के अलावा कई और मुकाबले भी हैं। । 2027 का एकदिवसीय विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। श्रीलंका के लिए इसमें बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं होगा। साल 2011 के बाद से टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई है। वहीं कर्स्टन ने साफ कर दिया है कि उनकी प्राथमिकता सभी प्रारूपों के लिए एक सबसे संतुलित और सक्षम टीम तैयार करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस समय मेरी प्राथमिकता यही है, और मैंने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। हमारा ध्यान अलग-अलग प्रारूपों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने पर केंद्रित है, जिससे टीम हर स्थिति में मजबूत दिख सके। इससे साफ है कि उका यह दिखाता है कि वह केवल एक-दिवसीय क्रिकेट पर नहीं, बल्कि सभी प्रारुपों के लिए बेहतर टीम तैयार करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका ने हाल ही में टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे यह पता चलता है कि खिलाड़ियों में काफी क्षमताएं मौजूद है। हमें बस इस क्षमता को निरंतरता में बदलने की जरूरत है, कर्स्टन ने जोर दिया। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ता के साथ, श्रीलंकाई टीम निश्चित रूप से 2027 विश्व कप में अपना प्रभाव दिखा सकती है ।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूँ। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूँ और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूँ कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया। खुशदिल ने आखिरी बार सितंबर 2025 में यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के लिए खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए अब तक 15 वनडे और 38 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में, लाहौर कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 41 गेंदों में 61 रन और अब्दुल्ला शफीक ने 36 गेंदों में 62 रन की शानदार पारियां खेलीं। मोहम्मद और सिकंदर रजा ने 18-18 रन का योगदान दिया, जबकि डेनियल सैम्स ने 20 और कप्तान शाहीन अफरीदी ने 10 रन बनाए। कराची किंग्स के लिए मोईन अली ने दो विकेट लिए, जबकि हसन अली और रिजवानुल्लाह को 1-1 विकेट मिला।

200 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी कराची किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब डेविड वॉर्नर और जेसन रॉय सस्ते में आउट हो गए। रॉय 5 गेंद में 9 और रीजा हैंड्रिक्स 9 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सलमान आगा ने 15 गेंद में 14 रन बनाए। हालांकि, मोईन अली ने 17 गेंद में 39 रन की दमदार पारी खेली और आजम खान ने 8 गेंद में 14 रन का योगदान दिया। कप्तान डेविड वॉर्नर ने

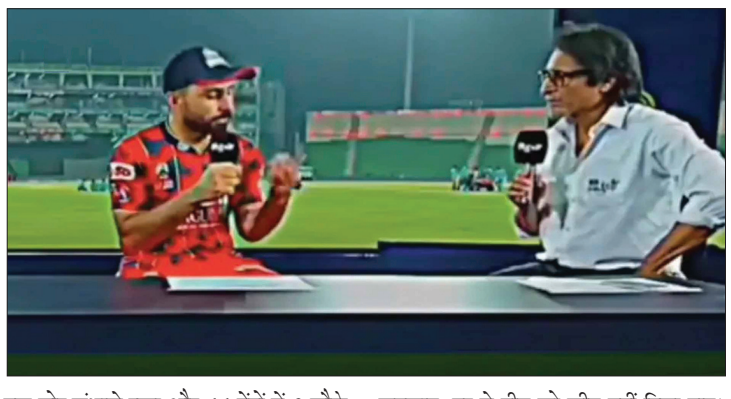

एक छोर संभाले रखा और 44 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। लेकिन यह खुशदिल शाह की विस्फोटक पारी थी, जिसने कराची किंग्स को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। लाहौर के लिए उबैद शाह ने तीन विकेट चटकाए, पर वे टीम को जीत नहीं दिला पाए। खुशदिल की यह पारी ऐसे समय में आई है जब वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह को लेकर जूझ रहे हैं, और उनके इस प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं पर निश्चित रूप से दबाव बढ़ा दिया है।

'स्टिल अलाइव' मेरे जीवन का सबसे सच्चा और दिल से बनाया गया काम है

स्टैंड अप कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके समय रैना इन दिनों अपने कॉमेडी स्पेशल शो 'स्टिल अलाइव' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रहा है। साथ ही इसने एक ग्लोबल रिकॉर्ड भी बनाया है। दरअसल, यह शो अब दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला फुल-लेंथ स्टैंड-अप कॉमेडी स्पेशल बन चुका है। इस पर समय रैना ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे सच्चा और दिल से बनाया गया काम है। 'स्टिल अलाइव' को 7 अप्रैल 2026 को रिलीज किया गया था। रिलीज होते ही इस शो ने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया। महज 24 घंटे के अंदर इस कॉमेडी स्पेशल को 22 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया। इतने कम समय में किसी फुल-लेंथ स्टैंड-अप शो के लिए ये व्यूज हासिल करना बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इसके बाद यह शो लगातार रिकॉर्ड तोड़ता गया। रिलीज के एक हफ्ते के भीतर ही इसके व्यूज 48 मिलियन के पार पहुंच गए। अब यह आंकड़ा 53.4 मिलियन से ज्यादा हो चुका है। इसी के साथ यह दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्टैंड-अप कॉमेडी स्पेशल बन गया है। इस पर समय रैना ने कहा, ' 'स्टिल अलाइव' दिल से बनाई सबसे ईमानदार चीज है। मैं हर एक व्यू का श्रेय उन लोगों को देता हूं, जिन्होंने कभी भी मेरा साथ नहीं छोड़ा।'

इस कॉमेडी स्पेशल में समय रैना ने अपनी जिंदगी के अनुभवों को बेहद खुलकर लोगों के सामने रखा है। शो में उन्होंने अपने संघर्ष, मुश्किल हालात और विवादों के बाद की जिंदगी को अपने खास अंदाज में पेश किया है। दरअसल, 'स्टिल अलाइव' उस बड़े विवाद के करीब एक साल बाद आया, जिसने समय रैना को सुर्खियों में ला दिया था। उनके शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड में पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया के एक कमेंट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि इन सब मुश्किलों के बावजूद समय रैना ने हार नहीं मानी। अगस्त 2025 में उन्होंने फिर से स्टेज पर वापसी की और 'स्टिल अलाइव एंज अनफिल्टर्ड' नाम से अपना नया टूर शुरू किया।

सारा अर्जुन ने दिल खोलकर की रणवीर सिंह की तारीफ

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' फ्रेचाइजी में यालीना की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। सारा अर्जुन ने बताया कि रणवीर से बेहतर को-स्टार कोई नहीं हो सकता। सारा के मुताबिक, रणवीर सिंह बतौर एक्टर सिर्फ अपनी भूमिका तक नहीं सीमित रहते, बल्कि पूरी फिल्म के बारे में सोचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे रणवीर की बहुत बड़ी फैन हैं।

'कभी बड़प्पन को हावी नहीं होने दिया'

सारा अर्जुन ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'एक को-एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वे सच में यह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि सबकी फिल्म है। वे सिर्फ दूसरे एक्टर्स के साथ ही ऐसे नहीं हैं, बल्कि टेक्नीशियंस, स्पॉट बॉयज, क्रू के हर सदस्य और हर एक्टर के साथ उनका रवैया ऐसा ही रहता है। उन्होंने कभी भी अपनी सीनियरिटी को सुपीरियरिटी के तौर पर हावी नहीं होने दिया'।

रणवीर के समर्पण की कोई मिसाल नहीं

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'इसके अलावा एक एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह, जिस तरह का काम करते हैं, उसे देखकर मैं हैरान रह जाती हूं। वे अपने काम में जिस तरह का डेडिकेशन है, उसकी कोई मिसाल नहीं है। इन्हीं सब वजहों से, एक को-एक्टर के तौर पर उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव सबसे बेहतरीन रहा है। वह फिल्म के नतीजों को लेकर उतने ही प्रोटेक्टिव रहते हैं, जितना कोई बच्चा अपनी पसंदीदा चीज को लेकर प्रोटेक्टिव होता है'।

'धुरंधर 2' का बॉक्स ऑफिस

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में सारा अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से रणवीर सिंह के लिए एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा था। उन्होंने एक्टर की तारीफ में उन्हें निडर और एनर्जी से भरपूर ऐसा एक्टर बताया, जिसके अंदर सारी खूबियां हैं। बात करें फिल्म 'धुरंधर 2' के कलेक्शन की तो कल बुधवार को 35वें दिन इस फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 1121.11 करोड़ रुपये हो चुका है।

पवन सिंह के नए गाने को मिला आम्रपाली का साथ

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने नए गाने के साथ तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनका गाना 'छिल देबू का' का टीजर रिलीज हो चुका है। मंगलवार को अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी गाने के सपोर्ट के लिए आगे आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में पवन सिंह अपनी सह-कलाकार प्रिया रघुवंशी के साथ नजर आ रहे हैं। आम्रपाली ने कैप्शन के जरिए गाने की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि यह गाना चार्टबस्टर साबित होगा। आम्रपाली ने लिखा, 'जब पावर स्टार पवन सिंह की आवाज, खुशी कक्कड़ का साथ और प्रिया रघुवंशी की अदाएं एक साथ हों... तो गाना सुपरहिट तो होना ही है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'गाने को पवन सिंह और खुशी कक्कड़ ने गाया है, जबकि इसके बोल आशुतोष तिवारी और निक्की निहाल ने लिखे हैं और संगीत प्रियांशु सिंह (मेलोडी मैन) ने तैयार किया है। 'छिल देबू का' का पूरा वीडियो बुधवार सुबह 6:30 बजे यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।' टीजर में पवन सिंह का सिग्नेचर स्टाइल और प्रिया रघुवंशी के साथ उनकी केमिस्ट्री साफ नजर आ रही है। प्रियांशु सिंह के संगीत ने पहले ही लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया है।

पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपनी धाक जमा चुके हैं। हाल ही में पवन सिंह ने फिल्म डकैत के गाने 'टच बडी' में स्पेशल अपीयरेंस दी थी। गाने को पवन सिंह और जोनिता गांधी ने मिलकर गाया है जबकि लिरिक्स वायु श्रीवास्तव ने लिखे हैं और भीम्स सेसिरोलियो ने इसका संगीत तैयार किया है। गाना रिलीज होने के बाद पूरे भारत में खूब चर्चा में है। यह गाना फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' का दूसरा सिंगल है। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है। इसमें अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं।

संघर्ष के दौर ने आगे बढ़ने की हिम्मत दी

टीवी की दुनिया में जब भी कॉमेडी का नाम लिया जाता है, तो कीकू शारदा का चेहरा लोगों के सामने जरूर आता है। कभी 'पलक' बनकर तो कभी 'बंपर' और 'बच्चा यादव' के किरदार में उन्होंने दर्शकों को इतना हंसाया कि लोग उनके स्क्रीन पर आने का इंतजार करने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार डांस और अलग अंदाज ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज भले ही कीकू शारदा टीवी और ओटीटी की दुनिया का बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें मुंबई में अपना खर्च चलाने के लिए छोटी-मोटी नौकरियां करनी पड़ी थीं। संघर्ष के उसी दौर ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी। कीकू शारदा का असली नाम राघवेंद्र अमरनाथ शारदा है। कीकू पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने ग्रेजुएशन करने के बाद मार्केटिंग में एमबीए की पढ़ाई पूरी की। परिवार चाहता था कि वह अच्छी नौकरी करें या बिजनेस में हाथ बंटाएं, लेकिन उनके दिल में एक्टिंग का सपना था। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। हालांकि मुंबई में शुरुआत आसान नहीं थी। यहां उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से उन्हें छोटी-मोटी नौकरी करनी पड़ीं, ताकि अपना खर्च चला सकें। करीब दो साल तक संघर्ष करने के बाद उन्हें छोटे-छोटे रोल मिलने शुरू हुए। साल 2003 में उन्हें बच्चों के मशहूर शो 'हातिम' में 'होबो' का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें पहली पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन असली सफलता उन्हें कॉमेडी शो 'एफआईआर' से मिली। इस शो में उन्होंने कॉन्स्टेबल मुलायम सिंह गुलगुले का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

कीकू की जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब वह 'कपिल शर्मा शो' से जुड़े। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनका 'पलक' वाला किरदार लोगों के दिलों में बस गया। उनकी मजेदार बातें और अजीब डांस स्टेप्स देखकर दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते थे। इसके बाद 'द कपिल शर्मा शो' में उन्होंने 'बंपर', 'बच्चा यादव' और कई मजेदार किरदार निभाए। इन किरदारों ने उन्हें टीवी का बड़ा कॉमेडी स्टार बना दिया।

टीवी के अलावा कीकू शारदा फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'फिर हेरा फेरी', 'धमाल', 'रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'अंग्रेजी मीडियम' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी कॉमिक एक्टिंग को हर जगह पसंद किया जाता है।

फिल्मों के अलावा कारोबार में भी है इन अभिनेत्रियों का दबदबा

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपनी जबरदस्त एक्टिंग से फिल्मी दुनिया में नाम कमाया है। कई ऐसी अभिनेत्रियां भी हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के अलावा दूसरी इंडस्ट्रियों में काम करके अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। इनमें से कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने एक्टिंग के अलावा कारोबार में भी हाथ आजमाया है और कामयाबी हासिल की है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। उन्होंने बच्चों के कपड़ों के एक ब्रांड की स्थापना की है। आलिया की इस पहल को समझदारी भरा निवेश माना जाता है।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने तमिल फिल्म 'थमिजान' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। उन्होंने हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। वह एक हेयर केयर ब्रांड की मालकिन हैं। उन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क में एक भारतीय रेस्टोरेंट भी खोला है। इससे पता चलता है कि अभिनेत्री एक कामयाब कारोबारी भी हैं।

सोनम कपूर

साल 2007 में फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री सोनम कपूर भी एक कारोबारी हैं। उन्होंने अपनी बहन रिया के साथ मिलकर कपड़ों का एक ब्रांड बनाया है। अभिनेत्री को फिल्मों में काम करने के अलावा दूसरी चीजों का भी शौक है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से एक्टिंग में डेब्यू किया। उन्होंने 2007 में 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने एक ब्यूटी ब्रांड लॉन्च किया है। इस ब्रांड की भारत ही नहीं दुनियाभर में चर्चा है।

अनुष्का शर्मा

साल 2008 में अनुष्का शर्मा ने फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से फिल्मों में डेब्यू किया। फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता है। वह एक सफल कारोबारी भी हैं। वह एक प्रोडक्शन हाउस की सह-स्थापना हैं। इस प्रोडक्शन हाउस के तहत कई मशहूर सीरीज बनी हैं। भारत में वह एक सफल निर्माता के तौर पर उभरी हैं।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।